मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 25 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 7 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 189 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ हर बूंद की पुकार : जल संरक्षण ही समाधान

रवीना टंडन ने अपने करियर की असुरक्षाओं और क्लासरुम पॉलिटिक्स पर खुलकर बात की 6

बेटे ने की बुजुर्ग मां की हत्या

लाठी से पीटा, दाउली से काटा और शव को आंगन में ही जला डाला

संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम (गुदड़ी): गुदड़ी थाना अंतर्गत कमरोड़ा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक विक्षिप्त बेटे ने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। 35 वर्षीय आरोपी नामजन बरजो ने अपनी 60 वर्षीय मां मेरी बरजो को पहले लाठी-डंडों से पीटा, फिर दाउली (धारदार हथियार) से हमला कर उनकी जान ले ली। साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपी ने घर के पीछे आंगन में लकड़ियां इकट्ठा कर शव को जला भी दिया।

प्रत्यक्षदर्शी की आपबीती: घटना की चश्मदीद और आरोपी के छोटे भाई की पत्नी हीरामनी ओरेया ने बताया कि जिस वक्त यह वारदात हुई, गांव के अधिकांश लोग रनिया बाजार गए हुए थे। गांव खाली होने के कारण हीरामनी की चीख-पुकार सुनने वाला कोई नहीं था। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने हत्या के बाद शव को जलाने की कोशिश की।

पुलिस की कार्रवाई: वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी खूंटी जिले के रनिया की ओर भाग निकला है। गुदड़ी पुलिस, रनिया पुलिस के सहयोग से उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने घटनास्थल से जले हुए अवशेषों को जब्त कर फॉरेंसिक लैब भेज दिया है ताकि वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर शिनाख्त पूरी हो सके।

दहशत में परिवार: भाई और भतीजे ने छोड़ा गांव हीरामनी के मुताबिक, आरोपी नामजन इतना खतरनाक है कि उसके डर से उसका सगा भाई और भतीजा गांव छोड़कर खूंटी के रनिया में शरण लिए हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नामजन की मानसिक स्थिति अक्सर बिगड़ जाती है और वह अचानक हिंसक होकर लोगों पर हमला कर देता है। ग्रामीण उसे देखते ही रास्ता बदल लेते हैं।

पुरानी वारदात: पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, करीब 8-10 साल पहले नामजन ने अपने पिता की भी कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी थी। तब उसे विक्षिप्त मानकर रांची के रिनपास भेजा गया था। इलाज के बाद उसे घर भेजा गया, लेकिन उसकी हिंसक प्रवृत्ति खत्म नहीं हुई और अंततः उसने अपनी मां की भी जान ले ली।

मां बनी हैवान: 4 साल की बेटी का घोंटा गला, अपहरण की गढ़ी झूठी कहानी

सरायकेला-खरसावां: ज़िले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां पर अपनी ही चार साल की बेटी की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

जिले में एक चौंकाने वाली घटना हुई। यहां एक मां ने अपनी चार साल की बच्ची का गला घोंटकर हत्या कर दी। इस मामले की जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी। चांडिल थाना प्रभारी डिल्सन बिरुआ के अनुसार, बच्ची के पिता की शिकायत के बाद महिला को सोमवार को गिरफ्तार

किया गया और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, हत्या करने के बाद महिला ने सबको गुमराह करने की कोशिश की। उसने दावा किया कि उसकी बेटी का अपहरण हो गया है और वह खुद भी कई दिनों से उसे खोज रही है। मां के इस बयान से इलाके में तनाव फैल गया, जिसके बाद पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को महिला की बातों पर शक हुआ। बाद में बच्ची का शव घर के पीछे से बरामद हुआ।

शव मिलने के बाद महिला वहां से भाग गई थी, लेकिन पुलिस ने उसे ढूंढ़कर गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस हत्या के कारणों की जांच कर रही है। पड़ोसियों का कहना है कि महिला अक्सर बच्ची के साथ मारपीट करती थी। उन्होंने कई बार उसे समझाने की कोशिश भी की थी, लेकिन वह किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करती थी।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा

चुनाव से पहले सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता 84 देसी बम और राइफल बरामद

दक्षिण 24 परगना: पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। इसी बीच दक्षिण 24 परगना जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां तलाशी अभियान के दौरान 84 देसी बम और एक राइफल बरामद की गई है। पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान एक तालाब से राइफल भी बरामद हुई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। इस बरामदगी के बाद संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है और बिजयगंज बाजार पुलिस स्टेशन ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों को किस मकसद से जमा किया गया था और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

दो चरणों में होंगे चुनाव: पश्चिम बंगाल में इस बार विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। पिछले विधानसभा चुनाव (2021) में मतदान आठ चरणों में 27 मार्च से 29 अप्रैल के बीच हुआ था, जबकि इस बार चरणों की संख्या घटाकर दो कर दी गई है।

मतदाता संख्या में बदलाव: इस चुनाव में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अंतिम मतदाता सूची से करीब 63 लाख 66 हजार नाम हटाए गए हैं, जबकि लगभग 60.6 लाख मतदाता अभी भी जांच के दायरे में हैं।

मुख्य मुकाबला टीएमसी और बीजेपी के बीच: राज्य की सियासत में इस बार भी मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच माना जा रहा है। टीएमसी एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी है, जो 2011 से राज्य की सत्ता संभाल रही हैं। वहीं, बीजेपी ने अभी तक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। इसके अलावा, हुमायूं कबीर जैसे नेता भी इस चुनाव में नए राजनीतिक समीकरण बना सकते हैं, जिससे मुकाबला और दिलचस्प होने की संभावना है।

नई दिल्ली के करोल बाग में भीषण सड़क हादसा

25 यात्रियों से भरी बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली : दिल्ली के करोल बाग इलाके में बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब करीब 25 यात्रियों से भरी एक बस झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के पास अचानक पलट गई। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 1:30 बजे हुआ। बस काफी तेज रफ्तार में थी। लोगों का कहना है कि स्पीड 80 से 100 के बीच रही होगी। बस ने संतुलन खोने के बाद एक-दो बार पलटी खाई और आसपास मौजूद लोगों ने बताया

कि हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

एक चश्मदीद ने बताया कि बस पलटने के बाद चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। अंदर कई लोग फंसे हुए थे, जिनमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल थे। एक छोटा बच्चा सीटों के बीच फंस गया था, जबकि एक महिला भी बुरी तरह फंसी हुई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत मदद शुरू की और करीब 100-150 लोगों ने मिलकर बस को संभालते हुए घायलों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सभी यात्रियों को बाहर निकालने में करीब आधा से एक घंटा लग गया। कई लोग खून से लथपथ थे और दर्द से कराह रहे थे। कुछ लोगों ने बताया कि 8-10 लोग गंभीर रूप से घायल थे। एक व्यक्ति ने कहा कि उसने खुद एक छोटी बच्ची को उठाकर बाहर निकाला, जबकि एक 5-6 साल के बच्चे को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

13 साल की दर्द भरी जंग खत्म

नम आंखों से हरीश राणा को दी गई अंतिम विदाई, ग्रीन पार्क में हुआ अंतिम संस्कार

नई दिल्ली : इच्छा मृत्यु के बाद बुधवार को हरीश राणा को अंतिम विदाई दी गई। दिल्ली के ग्रीन पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु की अनुमति के बाद उनका एम्स में निधन हुआ था। अंतिम विदाई के दौरान माहौल बेहद भावुक रहा। परिवार, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी।

2013 में एक दर्दनाक हादसे ने हरीश की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। मात्र 19 साल की उम्र में वह कोमा में चले गए। जुलाई 2010 में हरीश ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया था। वर्ष 2013 में वह अंतिम वर्ष के छात्र थे। इसी दौरान अगस्त 2013 में रक्षाबंधन वाले दिन बहन से मोबाइल फोन पर बात करते हुए पीजी की चौथी मंजिल से गिर गए थे। तब से 13 लंबे साल तक मशीनों पर सांसें, आंखें कभी-कभी झपकतीं, लेकिन बोल नहीं पाता, हिल नहीं पाता, सिर्फ परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट (स्थायी वनस्पति अवस्था) में रहा। परिवार ने हर उम्मीद से लड़ाई लड़ी डॉक्टर, अस्पताल, कोर्ट लेकिन हरीश की आत्मा उस शरीर में कैद थी, जहां दर्द हर पल उन्हें सताता रहता था। माता-पिता ने कभी हार नहीं मानी। लेकिन बेटे के दर्द के कारण उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक बेटे को सम्मानजनक मुक्ति देने की गुहार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति दी। हरीश 14 मार्च को एम्स में एडमिट किए गए थे और तब से ही डॉक्टर उनके लाइफ स्पोर्ट सिस्टम को धीरे-धीरे हटा रहे थे। बीते करीब एक हफ्ते से तो उन्हें खाना-पानी भी नहीं दिया जा रहा था। इस दौरान केवल हरीश को दर्द और मानसिक तकलीफ से राहत देने के लिए दवाएं दी जा रही थीं।

8वें वेतन आयोग पर बड़ा अपडेट: सैलरी में बड़ा इजाफा संभव, डीए 60% तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली: देश के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए आने वाले दिन बेहद अहम होने वाले हैं, क्योंकि 8वें वेतन आयोग के गठन और महंगाई भत्ते की गणना को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सरकारी गलियारों में इस बात की सुगबुगाहट है कि सरकार न केवल वेतन में संशोधन करने वाली है, बल्कि कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते के पुराने फॉर्मूले को भी हमेशा के लिए बदल सकती है। अगर ऐसा होता है, तो कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी में एक बड़ी उछाल देखने को मिल सकती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन आएगा। वर्तमान में सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता जिस तरीके से मापा जाता है, उसे कर्मचारी संगठन अब पुराना और अप्रासंगिक मान रहे हैं। यूनियनों का तर्क है कि आज के दौर में महंगाई और जीवन-यापन का खर्च कहीं ज्यादा बढ़ चुका है, जबकि मौजूदा कैलकुलेशन इसे सही तरीके से नहीं दर्शाता। आमतौर पर सरकार होली और दिवाली के समय साल में दो बार डीए बढ़ाती है। पिछले साल मार्च के अंत में इसकी घोषणा हुई थी, इसलिए इस साल भी मार्च के आखिरी हफ्ते या अप्रैल की शुरूआत तक नई बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिसे 1 जनवरी 2026 से लागू माना जाएगा।

ट्रंप जंग रोकने को तैयार, ईरान ने फिर किया इंकार ! इजराइल पर की मिसाइलों की बरसात

नई दिल्ली: मिडिल ईस्ट में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप जहां एक ओर दावा कर रहे हैं कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत चल रही है, वहीं ईरान ने ऐसे किसी भी संवाद से साफ इनकार कर दिया है। इसी बीच हालात और बिगड़ गए जब ईरान ने इजराइल पर एक दर्जन मिसाइलें दाग दीं। इन हमलों से इजराइल में दहशत फैल गई और लाखों लोग बंकरों में छिपने को मजबूर हो गए। कुछ मामलों में इजराइल की रक्षा प्रणाली मिसाइलों को रोकने में असफल रही, जिससे जान-माल का नुकसान भी हुआ।

साथ ही रॉकेट हमले में इजराइल में एक महिला की मौत हो गई। यह इस संघर्ष के दौरान लेबनान की तरफ से हुए हमलों में पहली मौत बताई जा रही है। जवाब में इजराइल ने ईरान के उत्पादन ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है, हालांकि उसने इन हमलों का विस्तृत विवरण साझा नहीं किया है। दोनों देशों के बीच यह टकराव अब खुली जंग का रूप लेता दिख रहा है।

इस पूरे संकट का सबसे बड़ा असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पड़ रहा है। यह दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग है और इसके लगभग बंद होने से वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित हो रही है। इसके चलते ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और विश्व अर्थव्यवस्था पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिका ने इस बीच ईरान को 15-सूत्रीय युद्धविराम योजना भी भेजी है, जिसमें पाकिस्तान को मध्यस्थ बनाया गया है। लेकिन ईरान अपने रुख पर कायम है और उसके सैन्य प्रवक्ता ने साफ कहा है कि पूरी जीत हासिल होने तक लड़ाई जारी रहेगी।

पाकिस्तान ने अमेरिका -ईरान वार्ता की मेजबानी करने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली: पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से अमरीका और ईरान के बीच बातचीत की मेजबानी करने की पेशकश की है, ताकि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को समाप्त किया जा सके। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, अमेरिका और ईरान की सहमति के अधीन, पाकिस्तान सार्थक और निर्णायक बातचीत को सुगम बनाने तथा जारी संघर्ष के व्यापक समाधान के लिए मेजबान बनने के लिए तैयार है और इसे अपने लिए सम्मान की बात मानता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र और उससे आगे शांति और स्थिरता के हित में पश्चिम एशिया के युद्ध को समाप्त करने के लिए जारी संवाद के प्रयासों का स्वागत करता है और उनका पूर्ण समर्थन करता है। शरीफ का यह प्रस्ताव उनके मंगलवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ हुई टेलीफोन वार्ता और पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक दार की उनके ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ एक दिन पहले हुई बातचीत के बाद आया है।

ईरान जंग के बीच ट्रंप ने मोदी को किया फोन, ताजा हालात और होर्मुज स्ट्रेट खुला रखने पर हुई बातचीत

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है। मंगलवार को भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इसकी जानकारी दी। भारत ने हमेशा डायलॉग और डिप्लोमेसी के जरिए विवाद सुलझाने पर बल दिया है।

यह पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली टेलीफोनिक बातचीत है। दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) में सुरक्षित और खुला नौवहन बनाए रखने पर जोर दिया। यह क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम रूट है और हालिया संघर्ष के चलते यहां तनाव बढ़ गया है।

एक्स पोस्ट पर सर्जियो गोर ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने मिडिल ईस्ट में चल रहे हालात पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने की अहमियत भी शामिल थी। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान के बीच युद्ध करीब 25 दिन से जारी है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट में हमले और ब्लॉकेज की वजह से वैश्विक तेल-गैस सप्लाई प्रभावित हुई है। भारत इस क्षेत्र से 60 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल और गैस आयात करता है, इसलिए संकट सीधे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है।

पेट्रोल, डीजल और एलपीजी को लेकर तेल कंपनियों ने दिया बड़ा अपडेट

देश में ईंधन की कोई कमी नहीं , आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य

नई दिल्ली: देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की संभावित कमी को लेकर फैली अफवाहों के बीच तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीएस) ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बड़ा बयान जारी किया है। कंपनियों ने कहा है कि देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य बनी हुई है। ओएमसीएस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक खरीदारी से बचें। तेल कंपनियों ने बयान जारी कर कहा कि देश में वर्तमान में पर्याप्त भंडार मौजूद है और राष्ट्रीय मांग को पूरा करने के लिए सप्लाई चेन बिना किसी रुकावट के काम कर रही है। कंपनियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से घबराकर खरीदारी न करें। भारत पेट्रोलियम

कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने अपने बयान में कहा, पेट्रोल और डीजल की कमी की खबरें पूरी तरह से निराधार हैं। देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सप्लाई सिस्टम सुचारू रूप से काम कर रहा है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने भी कहा कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। कंपनी ने ग्राहकों से सामान्य खपत बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) ने भी स्थिति को सामान्य बताते हुए कहा कि सभी रिटेल आउटलेट्स पर ईंधन आपूर्ति नियमित रूप से जारी है और कहीं भी कोई दिक्कत नहीं है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार मौजूद है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण बाजारों में अस्थिरता देखी जा रही है, लेकिन देश में आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई है। सरकार ने मंगलवार को भी स्पष्ट किया था कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी भी तरह की कमी की स्थिति नहीं है।

आई फोर्टे आई क्लिनिक ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

150 से अधिक जरूरतमंद ग्रामीणों को मिला लाभ

संवाददाता

खूंटी: जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत ग्राम कसीरा में आज आई फोर्टे आई क्लिनिक की तरफ से एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर आई फोर्ट, डाक बंगला रोड, खूंटी के नेत्र विशेषज्ञ डॉ सुभाष कुमार एवं सिटी फाउंडेशन, कर्रा के संयुक्त प्रयास से आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। इस निःशुल्क जांच शिविर में 150 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी आंखों की जांच कराई। इस दौरान मोतियाबिंद, धुंधला दिखाई देना, आंखों में जलन व लाली, पानी आना सहित विभिन्न नेत्र रोगों से पीड़ित मरीजों की जांच की गई। विशेष बात यह रही कि जिन मरीजों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई, उनकी आंखों की जांच आधुनिक कंप्यूटराइज्ड मशीनों से कर सटीक नंबर निर्धारित किया गया और उन्हें निःशुल्क चश्मा उपलब्ध कराया गया। साथ ही जरूरतमंद मरीजों के बीच मुफ्त दवाइयों का भी वितरण किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर उनके लिए बेहद लाभकारी साबित होते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और शहर जाकर इलाज कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की अपेक्षा जताई। शिविर को सफल बनाने में आई फोर्ट की मेडिकल टीम एवं सिटी फाउंडेशन, कर्रा के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र चिकित्सा सेवा पहुंचाने की दिशा में यह पहल सराहनीय मानी जा रही है, जो जरूरतमंद लोगों के जीवन में रोशनी लाने का कार्य कर रही है।

अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ प्रशासन और पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मेगा अभियान में अवैध खनन के पूरे नेटवर्क को जड़ से किया खत्म

संवाददाता

रामगढ़: जिले में अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ प्रशासन और पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई कर इतिहास रच दिया है। यह ऑपरेशन न सिर्फ एक कार्रवाई, बल्कि माफिया तंत्र के खिलाफ सीधा युद्ध साबित हुआ है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार और जिला खनन पदाधिकारी, रामगढ़ के नेतृत्व में चलाए गए इस मेगा अभियान में जिला प्रशासन, वन विभाग और सीसीएल की संयुक्त टीम ने मिलकर अवैध खनन के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने का काम किया।

शीर्ष नेतृत्व से मिले कार्रवाई के निर्देशः जानकारी के अनुसार, केदला नंबर-06 स्थित झारखंड ओसीपी क्षेत्र में लंबे समय से रात के अंधेरे में बड़े पैमाने पर अवैध खनन और तस्करी चल रही थी। वेस्ट बोकारो थाना प्रभारी दीपक कुमार को अवैध खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दिया और फिर यह बड़ी कारवाई की गई है।

1250 किलोग्राम विस्फोटक से ब्लास्टः जिला स्तरीय खनन टास्कफोर्स की बैठक में उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज द्वारा दिए गए कड़े निदेर्शों के अनुपालन में, जिला प्रशासन ने अवैध खनन के मुख्य मुहाने को स्थायी रूप से बंद करने के लिए पहले 25 ड्रिल होल किए गए, फिर करीब 1250 किलोग्राम विस्फोटक भरकर जोरदार ब्लास्ट किया गया।

धमाके के बाद खनन का ध्वस्तः सुरक्षा के कड़े मानकों के बीच इस ऑपरेशन का सबसे बड़ा और निर्णायक कदम रहा कंट्रोल ब्लास्टिंग । धमाका इतना जोरदार था कि पूरा इलाका गूंज उठा और वर्षों से चल रहा तस्करी का रास्ता पलभर में मलबे में तब्दील हो गया। इस कार्रवाई ने अवैध खनन के पूरे गढ़ को ध्वस्त कर दिया।

ब्लास्ट के बाद तस्करों में दहशतः कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में बदल दिया गया था। हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी गई, जिससे किसी भी तस्कर को भागने का मौका नहीं मिला। ब्लास्ट के बाद इलाके में तस्करों के बीच भारी दहशत का माहौल है। वही एसपी अजय कुमार ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि तस्कर सावधान हो जाये। उन्हें किसी भी कीमत पर अवैध कोयला तस्करी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानून तोड़ने वालों पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। अवैध खनन का अंत तय है, कानून से बचना अब नामुमकिन।

अवैध खनन नेटवर्क को सीधी चुनौतीः यह कार्रवाई सिर्फ अवैध मुहाने को बंद करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे अवैध खनन नेटवर्क को सीधी चुनौती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध उत्खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सेल स्पोर्ट्स क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट 2024-25: रोमांचक फाइनल में टीम 1 की जीत

संवाददाता

रांची: सेल यूनिट स्पोर्ट्स क्लब (एसयूएससी), रांची ने सेल सैटेलाइट टाउनशिप फुटबॉल ग्राउंड में 10 से 21 मार्च, 2026 तक सफलतापूर्वक फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन 10 मार्च की सुबह कार्यकारी निदेशक संदीप कुमार ने किया, जिन्होंने औपचारिक रूप से कार्यक्रम की शुरूआत की। टूर्नामेंट में कुल तीन टीमों ने भाग लिया, और लीग मैचों के आधार पर अंकों के अनुसार फाइनलिस्ट का निर्धारण किया गया। फाइनल मैच 21 मार्च, 2026 को खेला गया, जिसमें निखिल ओराउन के नेतृत्व वाली टीम 1 और केपी पात्रा के नेतृत्व वाली टीम 2 आमने-सामने थीं। एक रोमांचक मुकाबले में, टीम 1 ने नियमित समय में टीम 2 को 1-0 से हराकर जीत हासिल की। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक के। रामकृष्ण उपस्थित थे, जिन्होंने खेल की शुरूआत की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों में ईडी (एचआर-एल एंड डी) संजय धर शामिल थे। एसजे। जाचुक, सीजीएम (एचआर), आरडीसीआईएस एवं प्रभारी (एचआर), एसएआईएल रांची यूनिट; सुनील कुमार गुप्ता, सीजीएम (डीएमएल-सीएमएलओ) और संजीव कुमार, जीएम (आरटी) एवं उपाध्यक्ष, खेल समिति। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए। अनिकेत आनंद को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, कृष्ण कुमार टोप्पो को सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर, मनोज कुमार सिंह को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और डीसी। पाठक को सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड तथा टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मैचों का संचालन रेफरी नयन बारला ने किया, जिनकी सहायता सौरभ खलखो और अनमोल लिंडा ने की, जिनके प्रयासों से टूर्नामेंट सुचारू रूप से संपन्न हुआ। इस आयोजन में उत्कृष्ट खेल भावना और सौहार्द देखने को मिला, जिसने खिलाड़ियों और दर्शकों को फुटबॉल के जोशपूर्ण उत्सव में एक साथ लाया।

देर रात अपराधियों ने कार पर बरसाईं कई राउंड गोलियां,दहशत

खूंटी: जिले के तोरपा थाना क्षेत्र के हिल चौक नगर भवन के पास सोमवार देर रात अज्ञात अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में सनसनी फैला दी। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बन गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधी मां दुर्गा गैस एजेंसी के मालिक नागेंद्र साहू के घर के सामने पहुंचे और उनकी कार को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलियां चला दीं। अपराधियों ने खास तौर पर नागेंद्र साहू की महिंद्रा कंपनी की वश 300 कार पर फायरिंग की, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से चार खोखा बरामद किए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कई राउंड फायरिंग की गई। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्कूल से बेटे को लाने जा रहे युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

खूंटी: जिले से एक हृदयविदारक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बेटे को स्कूल से लाने जा रहे एक युवक की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तारो-सिलादोन खूँटी सड़क पर भंडरा मोड़ के पास मोटरसाइकिल सवार युवक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक को वाहन लगभग दस मीटर से अधिक दूरी तक घसीटते हुए ले गया और उसके ऊपर चक्का चढ़ा दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पुरन महतो के 30 वर्षीय पुत्र गोविंद महतो के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वह अपने बेटे को विद्यालय से लाने के लिए घर से निकला था, तभी यह हादसा हो गया। पूर्व मुखिया कृष्णा मुण्डा ने बताया कि युवक अपने गांव से स्कूल की ओर जा रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वहीं, पूर्व मुखिया कृष्णा महतो के अनुसार, युवक सेनेगुटू से खूँटी की ओर जा रहा था, इसी दौरान यह दुर्घटना हुई, जिसमें वाहन चालक युवक को कुचलते हुए फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही खूँटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही, क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन सख्त, री एडमिशन और नए किताब के नाम पर वसूले जा रहे अधिक पैसे

संवाददाता

गढ़वा: जिले के निजी विद्यालयों में री एडमिशन एवं पुस्तकों में निजी विद्यालयों की कमीशनखोरी के खिलाफ जिला प्रशासन शख्ती बरत रहा है। छात्र अभिभावक संघ के प्रतिनिधिमंडल के आवेदन पर गढ़वा डीसी ने वीडियो जारी कर निर्देश दिए हैं।

डीसी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिए दिशा निर्देशः प्राइवेट स्कूलों द्वारा अवैध रूप से एनुअल चार्ज, डेवलपमेंट चार्ज एवं अन्य विभिन्न शुल्कों की वसूली, महंगे प्रकाशकों की किताबें जबरन बेचने तथा परीक्षा शुल्क के नाम पर अत्यधिक राशि लेने के मामले में गढ़वा डीसी ने शख्त कदम उठाए हैं। यह कदम छात्र अभिभावक संघ से मिली शिकायत के बाद डीसी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

री एडमिशन या एक्स्ट्रा फीस लेना गैर-कानूनीः डिप्टी कमिश्नर इस बीच, डिप्टी कमिश्नर के साथ मीटिंग के दौरान छात्र अभिभावक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अभिभावकों की चिंताओं के बारे में डिटेल में बताया। डिप्टी कमिश्नर ने पॉजिटिव रुख अपनाते हुए साफ कहा कि रीएडमिशन या किसी और तरह की फीस की आड़ में एक्स्ट्रा फीस लेना पूरी तरह से गैर-कानूनी है। अगर कोई प्राइवेट स्कूल ऐसी वसूली करता हुआ पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

मनमानी करने वाले विद्यालयों की मान्यता रद्द की जाएगीः डीसी इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने निम्नलिखित मांगें भी रखी जिसमें बस एवं ऑटो में बच्चों को अत्यधिक संख्या में ले जाने पर रोक लगाने सहित अन्य मांगे रखी हैं। वहीं, डीसी दिनेश यादव ने वीडियो जारी कर कहा कि किसी भी विद्यालयों में रीएडमिशन के नाम पर जबरन अवैध वसूली की जाती है तो ऐसे विद्यालयों पर कठोर कार्यवाई की जाएगी। उन्होंने शिकायत के लिए एक नंबर भी जारी किया है और हिदायत दी है कि अगर कोई भी विद्यालय मनमानी करता है तो उस विद्यालय की मान्यता रद्द की जाएगी।

कोंचो में मदन महतो स्मृति मेला आज

सिल्ली : हर साल की तरह इस वर्ष भी सिल्ली के कोंचो निवासी स्व मदन महतो के स्मृति में बुधवार को दिन में मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता एंव रात्रि में छऊ नृत्य का आयोजन किया गया है। छऊ नृत्य पश्चिम बंगाल पुरुलिया जिला के बरहा बाजार निवासी उस्ताद संजय उरांव एंव मुरगुमा निवासी उस्ताद समचाँद महतो द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त जानकारी कोंचो ग्राम वासी फटीक चंद्र महतो ने दिया ।

रनिया के कोटांगेर गांव में जंगली हाथी का आतंक किसान का तोड़ा घर तोड़ा, फसल किया बर्बाद

संवाददाता

खूंटी (रनिया): प्रखंड क्षेत्र के कोटांगेर गांव में जंगली हाथी के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बुधवार देर रात करीब 11 बजे एक जंगली हाथी ने गांव में घुसकर किसान हुलसय कोंनगाडी के कच्चे खपरैल मकान को तोड़ दिया। हाथी ने मकान के अंदर रखे धान को खा लिया और भारी नुकसान पहुंचाया। मकान तोड़ने के बाद हाथी ने घर के बारी (खेत) में घुसकर टमाटर सहित अन्य सब्जियों की फसल को भी नष्ट कर दिया। इस घटना से पीड़ित किसान और उसका परिवार काफी परेशान है। बताया जा रहा है कि इस घटना में किसान को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने वन विभाग के कर्मियों को जानकारी दी है और उचित मुआवजे की मांग की है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि जंगली हाथी कामडरा प्रखंड के सरिता जंगल से भटककर कोटांगेर गांव पहुंचा था। क्षेत्र में लगातार जंगली हाथियों की बढ़ती गतिविधियों से स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि हाथियों को सुरक्षित वन क्षेत्र में खदेड़ने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि गांव में हो रहे नुकसान और दहशत से राहत मिल सके।

जेपीएल सीजन 17 का धमाकेदार समापन

'टीम सिंघम' बनी ब्लॉकबस्टर सीजन की चैंपियन

संवाददाता

रांचीः क्रिकेट के प्रति जुनून, शानदार प्रदर्शन और रोमांचक मुकाबलों से भरे एक यादगार सफर के बाद,जेपीएल सीजन 17 का भव्य समापन हो गया। इस 'ब्लॉकबस्टर' सीजन के खिताबी मुकाबले में टीम सिंघम ने अपने असाधारण खेल का प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान कड़े संघर्ष और खेल भावना का परिचय देते हुए टीम माइका चैलेंजर्स उपविजेता रही।

इस विशेष अवसर पर झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के अध्यक्ष, अजय नाथ शाहदेव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके गरिमामयी सान्निध्य में टूर्नामेंट का विधिवत

शुभारंभ किया गया।

फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

इस सफल आयोजन के पीछे एक समर्पित टीम का कुशल **नेतृत्व रहा, जिनके मार्गदर्शन में जेपीएल सीजन 17 ने सफलता के नए आयाम छुएः** जेसी अभिषेक जैन - अध्यक्ष, जेसी साकेत अग्रवाल - सचिव, जेसी ऋषभ जैन-कोषाध्यक्ष, मेंटरः जेसी पंकज साबू, वी पी कम्युनिटीः जेसी अनुभव अग्रवाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन : जेसी अनिमेश निखिल एवं जेसी अनुभव गरोड़िया,को-प्रोजेक्ट चेयरमैन : जेसी शुभम हेतमसारिया एवं जेसी सौरभ टांटिया

स्पोर्ट्स डायरेक्टरः जेसी दीपक पटेल जेसीआई रांची की 'रन्स टू रूट्स' पहल एक अनूठा अभियान है, जो क्रिकेट के रोमांच को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ता है। जेसी प्रीमियर लीग 2026 (सीजन 17) के दौरान आयोजित यह पहल खेल के हर बड़े शॉट को प्रकृति के उपहार में बदलने का संकल्प लेती है।

टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए शानदार शॉट्स की बदौलत कुल 485 पौधे रोपे जाएंगे। विजेता टीम को बधाई देते हुए आयोजन समिति ने कहा, ₹जेपीएल सीजन 17 केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेल के प्रति दीवानगी का उत्सव था। टीम सिंघम की जीत और टीम माइका चैलेंजर्स का जुझारू प्रदर्शन इस सीजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। हम उन सभी खिलाड़ियों और समर्थकों के आभारी हैं जिन्होंने इस आयोजन को ब्लॉकबस्टर बनाया।

मैच के अंत में भव्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जहाँ विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया गया। खढछ सीजन 17 अपने पीछे जीत की गूँज और खेल की अनगिनत यादें छोड़ गया है।

रांची में देर रात डकैती: दो पेट्रोल पंपों से लाखों की लूट, हथियारबंद बदमाश सीसीटीवी में कैद

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में देर रात अपराधियों ने बेखौफ होकर दो पेट्रोल पंपों पर डकैती की वारदात को अंजाम दिया, जिससे इलाके में डर का माहौल बन गया है।

बदमाशों ने 2 लाख रुपये से ज्यादा की नकदी लूटी: जिले के बीआईटी थाना क्षेत्र में देर रात कुछ बदमाशों ने दो पेट्रोल पंपों को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार, करीब आधा दर्जन अपराधी बाइक और कार से वहां पहुंचे थे। उन्होंने हथियार दिखाकर पेट्रोल पंप कर्मचारियों से लूटपाट की। पहले पेट्रोल पंप से बदमाशों ने 2 लाख रुपये से ज्यादा की नकदी लूट ली। इसके बाद उन्होंने दूसरे पेट्रोल पंप पर भी वारदात को अंजाम दिया, जहां से करीब 2 हजार रुपये लेकर फरार हो गए।

घटना के बाद इलाके में दहशत: घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। मामले की पुष्टि करते हुए बीआईटी ओपी प्रभारी अजय कुमार दास ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच कर रही है और अपराधियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एलपीजी संकट पर लोगों का फूटा गुस्सा, चुटिया में सड़क जाम

रांची: राजधानी रांची के चुटिया बेल बागान इलाके में एलपीजी की किल्लत ने आम लोगों के सब्र का इम्तिहान लेना शुरू कर दिया है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि नाराज उपभोक्ता सड़कों पर उतर आए और मुख्य सड़क को जाम कर विरोध जताया। खाली सिलेंडर लेकर पिछले दो दिनों से लाइन में खड़े लोगों को गैस नहीं मिलने से आक्रोश बढ़ता गया और आखिरकार लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

गैस एजेंसी कोई जानकारी नहीं देती: प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का कहना है कि बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। स्थानीय निवासी रीना देवी ने बताया कि 'घर में छोटे बच्चे हैं, लेकिन दो दिन से गैस नहीं मिलने के कारण खाना बनाना मुश्किल हो गया है, जिसके कारण बाहर का खाना खिलाना पड़ रहा है।' वहीं, राजेश कुमार ने कहा कि 'हर बार यही समस्या होती है, एजेंसी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं देती।'

गैस न मिलने से महिलाओं में आक्रोश: महिलाओं ने विशेष रूप से नाराजगी जताते हुए कहा कि रसोई का पूरा काम ठप हो गया है। एक महिला उपभोक्ता ने बताया कि सुबह का नाश्ता तक बनाना मुश्किल हो गया है, लकड़ी-कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है। बुजुर्गों ने भी अपनी परेशानी जाहिर करते हुए कहा कि घंटों लाइन में खड़ा रहना उनके लिए बेहद कठिन है।

रामनवमी पर रावण दहन में पुष्पवर्षा से होगा रामभक्तों का स्वागत,अष्टमी पर सेवा-स्टाल लगाने का निर्णय

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर : रामनवमी उत्सव को भव्य और भक्तिमय बनाने के लिए खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंच की ओर से इस वर्ष रावण दहन कार्यक्रम के दौरान रामभक्तों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा,उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा से सराबोर हो उठेगा।यह निर्णय सोमवार देर शाम मंच के कार्यालय में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि ने की जबकि संचालन रामनवमी उत्सव के प्रभारी अमित सिन्हा ने किया।अध्यक्ष ने कहा कि रामनवमी केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का अवसर भी है। उन्होंने सभी सदस्यों से आयोजन को अनुशासन, सेवा-भाव और सौहार्द के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान मंच के नए सदस्यों आशीष भारद्वाज, विकास सिंह और किशोर सिन्हा का स्वागत किया गया।वहीं पूर्व सदस्य एवं वार्ड आयुक्त धीरेन्द्र पाण्डेय तथा रविशंकर गुप्ता के पुनः मंच से जुड़ने पर उन्हें भी सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया।सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से इस वर्ष का आयोजन पहले से अधिक भव्य और सुव्यवस्थित होगा।

निर्णय के अनुसार रामनवमी के अवसर पर अष्टमी के दिन सुबह डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद चौक(छहमुहान)पर सेवा-स्टाल लगाया जाएगा।इस स्टाल के माध्यम से श्रद्धालुओं और रामभक्तों को सेवा प्रदान की जाएगी।भक्तों के लिए ग्लूकोज युक्त शीतल जल, शरबत, बिस्किट तथा लीची का रस उपलब्ध कराया जाएगा ताकि जुलूस और पूजा-अर्चना के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।मंच के सदस्यों ने इसे सेवा और समर्पण का छोटा प्रयास बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग की अपील की।

बैठक में मंच के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी नवीन तिवारी,कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा,सह-कोषाध्यक्ष रितेश कुमार ह्यटिंकू ह्ल,विनीत सिंह,बब्लू चावला,प्रभात अग्रवाल,मनीष ओझा,अरविंद अग्रवाल,कोमल कुमार,चंदन पाल सिंह सहित कई सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि रामनवमी का यह आयोजन सामाजिक एकता,आस्था और सेवा-भाव का प्रतीक बनेगा। मंच के पदाधिकारियों ने आमजन से भी आग्रह किया है कि वे आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे शांतिपूर्ण, गरिमामय तथा यादगार बनाने में सहयोग करें।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने धूमधाम से निकाला मंगलवारी जुलूस

रांची: श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा तीसरा एवं अंतिम मंगलवारी जुलूस गाजे बाजे, झंडा झांकी, अस्त्र-शस्त्र के साथ निकाला गया। साथ ही प्राचीन हनुमान मंदिर महावीर चौक में भगवान बजरंगबली को प्रसाद स्वरूप लड्डू का भोग लगाया गया । जुलूस का नेतृत्व करता संस्था के मुख्य संरक्षक रवि कुमार पिंकू, मुख्य संरक्षक किशोर साहू अध्यक्ष शंकर दुबे, महामंत्री ,गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह लल्लू ने किया। मंगलवारी जुलूस में सतीश सिंह, मुकेश सिंह,महेश चन्द्रा,भोलू सिंह, राहुल सिंह, बिनय सिंह,सोनू सिंह, विनोद बर्मन,पिंकू साहू,भोला केसरी, भोलू सिंह,आकाश रजक, करण सिंह, संजय तिवारी,राहुल रजक,आशीष रजक, पवन रजक,संजय सिंह,भोला पांडे, रूपक जायसवाल,संतोष सिंह एवं निम्नलिखित सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

आईकोनिक ने 1 करोड़ यूनिट का आंकड़ा पार किया, रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज

रांची: एबीडी की प्रमुख ब्रांड आईकोनिक ने वित्त वर्ष 2026 में 1 करोड़ (10 मिलियन) यूनिट का आंकड़ा पार करते हुए रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी के अनुसार यह ब्रांड कम समय में सबसे तेजी से बढ़ते उत्पादों में शामिल हो गई है। सितंबर 2022 में लॉन्च के बाद इसने शुरूआती चरण में सीमित बाजारों से शुरूआत कर तेजी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विस्तार किया। एबीडी के प्रबंध निदेशक आलोक गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी की मजबूत रणनीति और उपभोक्ताओं के बीच बढ़ती स्वीकार्यता को दशार्ती है। कंपनी के मुताबिक ब्रांड को कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं और अब यह देश के साथ-साथ विदेशी बाजारों में भी अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है।

गुलाम मुस्तफा ने प्रोविंशियल व फादर विनोद टोप्पो को दी ईद की मुबारकबाद

रांची: ईद के शुभ अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के फाउंडर प्रेसिडेंट गुलाम मुस्तफा सद्भावना प्रोविंशियल से मिलने गए लेकिन मनरेसा हाउस में मीटिंग चल रही थी। इसलिए प्रोविंशियल से मुलाकात नहीं हुई प्रोविंशियल मनरेसा हाउस गए हुए थे इसलिए सद्भावना में मैडम को और सेंट जॉन हाई स्कूल हिंदी मीडियम के प्रिंसिपल फादर विनोद टोप्पो को ईद का सेवई गिफ्ट पैकेट दिया और ईद उल फितर की बहुत-बहुत मुबारकबाद दी। इस अवसर पर फादर विनोद टोप्पो ने भी गुलाम मुस्तफा को और सभी मुस्लिम समुदाय को ईद उल फितर का मुबारकबाद दिया। मौके पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि हम सभी को आपस में मिल जुल कर रहना चाहिए जिससे समाज में देश में अमन शांति प्यार मोहब्बत एकता भाईचारा बनी रहे और हम सभी एक हैं सभी देशवासी आपस में भाई-भाई हैं।

आरकेडीएफ विवि रांची में आरकेडीएफ कार्निविस्टा 2026 का भव्य आयोजन संपन्न

मेट्रो रेज

रांची: आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव आरकेडीएफ कार्निविस्टा 2026 का भव्य, आकर्षक एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में शाम 4:00 बजे से प्रारंभ हुआ और देर रात तक उत्साह, उमंग एवं रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की बड़ी संख्या में सहभागिता देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो। डॉ। एस। चटर्जी तथा कुलसचिव डॉ। अमित कुमार पांडेय द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे मंच प्रदान करने का अवसर देते हैं। वहीं कुलसचिव ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय लगातार छात्रों के बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

महोत्सव के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। नृत्य, गायन, लाइव बैंड परफॉर्मेंस, नाट्य मंचन, एकल एवं समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने अपनी कला और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। विशेष रूप से बैंड परफॉर्मेंस और म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में रैंप वॉक का भी भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने आकर्षक परिधानों और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। रैंप वॉक प्रतियोगिता कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण बनकर उभरी।

कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। रंग-बिरंगी सजावट, रोशनी और संगीत ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों ने भी कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और इसे यादगार बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि आरकेडीएफ कार्निविस्टा 2026 का उद्देश्य छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ा सकें। इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क की भावना का भी विकास करते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी आयोजकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों को बधाई दी और भविष्य में भी इसी प्रकार के भव्य आयोजनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

चैती दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची स्थित भूतहा तालाब के पास चैती दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया।

इस अवसर पर रांची मेयर रोशनी खलखो सहित कई गन्यमान लोग उपस्थित रहे।

संयुक्त बिहार सरकार के पूर्व खनन मंत्री लक्ष्मण राम का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद,पलामू: संयुक्त बिहार सरकार के पूर्व खनन कैबिनेट मंत्री लक्ष्मण राम का मंगलवार संध्या लगभग 7 बजे हृदयगति रुकने से निधन हो गया। बताया जाता है कि वे पिछले दो दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली।उनके निधन की खबर मिलते ही हुसैनाबाद एवं छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक एवं आम लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। स्व। लक्ष्मण राम अपने सरल स्वभाव, जनसरोकार और क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। वे हुसैनाबाद नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन शशि कुमार के पिता भी थे। इस दुखद समाचार के बाद उनके पैतृक आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

स्व। लक्ष्मण राम का राजनीतिक जीवन जनसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने संयुक्त बिहार काल में मंत्री रहते हुए खनन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों में भूमिका निभाई थी। उनके निधन से न केवल राजनीतिक क्षेत्र बल्कि सामाजिक जीवन में भी एक बड़ी रिक्तता उत्पन्न हो गई है।

पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के लिए राज्य अपने हिस्से का 350 करोड़ करेगा खर्च

रांची: झारखंड के 4।14 लाख ओबीसी छात्रों को इस साल पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिली है। अब राज्य सरकार इस मद में अपने हिस्से के 350 करोड़ रुपये खर्च करेगी। वित्त विभाग ने इसकी मंजूरी दे दी है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 2।32 लाख ओबीसी छात्रों में से सिर्फ 17,931 बच्चों को ही छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया। जबकि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दो लाख से अधिक आवेदन आए, जिन पर अब तक फैसला नहीं हुआ है।

लंबित एरियर व पेंशन भुगतान को लेकर रिटायर्ड शिक्षकों ने दिया अल्टीमेटम, अप्रैल में होगा जोरदार आंदोलन

रांची: झारखंड के विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों ने लंबित एरियर और पेंशन भुगतान को लेकर सरकार और संबंधित विभागों को अल्टीमेटम दिया है। फेडरेशन ऑफ रिटायर्ड यूनिवर्सिटी टीचर एंड कॉलेज एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने चेतावनी दी है कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर अप्रैल से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

आरयू मुख्यालय स्थित संघ कार्यालय में डॉ। जगत नन्दन प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। संघ के महासचिव डॉ। हरिओम पांडेय ने कहा कि 2016 से पूर्व सेवानिवृत्त शिक्षकों को 7वें वेतनमान का लाभ 2021 से दिया जा रहा है, जबकि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार यह 2016 से लागू होना चाहिए। प्रभारी वीसी मुख्यालय नहीं आ रहे हैं। वीसी समेत अधिकारियों के पद प्रभार में चल रहे हैं। बैठक में शिक्षकों ने आरोप लगाया कि कुलाधिपति के निर्देशों के बावजूद पेंशन समय पर नहीं मिल रही है। हर महीने भुगतान में देरी से सेवानिवृत्त शिक्षकों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने निर्णय लिया है कि एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही गवर्नर से मिलकर समस्याओं से अवगत कराएगा। बैठक में डॉ। ओएन। श्रीवास्तव, डॉ। राम इकबाल तिवारी, डॉ। सुनील झा, डॉ। एसएन पाल, डॉ राम कुमार तिवारी, डॉ। अमल चौधरी समेत अन्य मौजूद थे।

आंधी-बारिश हुई तो रामनवमी पर काटी जा सकती है बिजली, नहीं तो निर्बाध आपूर्ति

रांची: जेबीवीएनएल ने श्रीरामनवमी से पूर्व, महाअष्टमी की शाम विभिन्न क्षेत्रों से निकलने वाली झांकियों और रामनवमी के दिन निकलने वाली शोभायात्रा (महावीरी पताकों व डीजे सहित) के लिए एसओपी जारी की है। जेबीवीएनएल ने स्पष्ट किया है कि इस दौरान पावर कट नहीं होगा, बशर्ते विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन किया जाए। रांची के अधीक्षण अभियंता डीएन। साहू ने बताया कि वर्तमान में आंधी-बारिश की संभावना बनी हुई है। यदि मौसम खराब होता है और एसओपी का पालन नहीं किया गया, तो विभाग जान-माल की क्षति या किसी भी दुर्घटना की स्थिति में कोई समझौता नहीं करेगा। आवश्यकतानुसार शोभायात्रा मार्ग में 'शटडाउन' लिया जा सकता है।

माहेश्वरी महिला समिति, रांची सत्र 2026 -2029 का आगाज

निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया के बाद नए सत्र की घोषणा

रांची: आज स्थानीय माहेश्वरी भवन में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की गयी। कार्यक्रम का मंच संचालन शशि डागा एवं रितिका लखोटिया ने गणेश वंदना से शुरू करते हुए अतिथिओ को आसान ग्रहण करवाया और महेश वंदना के पश्चात सभी पदाधिकारी का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। विगत सत्र की अध्यक्ष भारती चितलांगिया ने स्वागत भाषण दिया। नए सत्र के चुनाव अधिकारी बजरंग सोमानी एवं सुमन चितलांगिया ने नव निर्वाचित अध्यक्ष की के रूप मे विजयश्री साबू नाम घोषित किया। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी नई कार्यकारिणी सदस्य के नाम इस प्रकार घोषित किया, सचिव- बिमाला फलोर, उपाध्यक्ष- वंदना मारू एवं अनीता साबू , कोषाध्यक्ष- रश्मि मालपानी, ,संगठन मंत्री - कविता मंत्री, सह सचिव - सरला चितलांगिया एवं खुश्बू साबू , सह कोषाध्यक्ष- नेहा साबू , मीडिया प्रभारी- विनीता चितलांगिया ,सहित लक्ष्मी चितलांगिया,कुमुद लाखोटिया, रितिका सारडा,ममता डागा, रितिका लाखोटिया , अंजना गट्टानी, विनीता बिहानी,शिखा बिरला ,भावना काबरा, सुमन बाहेती , पूनम राठी, सीमा मालपानी, रंजू मालपानी निधि बिहानी, अनीता सोमानी ,संगीता चितलांगिया, रेखा सारडा, संगीता चितला, सुनीता चितलांगिया , कविता सोमानी, श्रेष्ठा भाला, ऋतू लाखोटिआ । सभी सदस्यों ने सामाजिक, धार्मिक एवं सस्कृतिक कार्य से समिति को और ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लिया।

आज के इस आयोजन मे प्रदेश सभा अध्यक्ष राज कुमार मारू, प्रदेश महिला संगीता चितलांगिया, प्रदेश पूर्व अध्यक्ष जुगल मारू, पावन मंत्री, प्रदेश महिला पूर्व अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल, मीरा परवाल, रांची सभा अध्यक्ष किशन साबू, सचिव नरेंद्र लाखोटिआ,युवा अध्यक्ष विनय मंत्री,सचिव हेमंत माहेश्वरी, रांची महिला पूर्व अध्यक्ष उर्मिला राठी, सरिता चितलांगिया, रेनू फलोर, दुर्गा बाहेती, मंजू मंत्री, उषा डागा, सरोज राठी, शारडा लड्ढा सहित कई और सदस्य उपस्थित थे।

कार्यालय उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, राँची
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
जिला बाल संरक्षण इकाई

–: विज्ञापन सूचना :–

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची की अधिसूचना संख्या–2685, दिनांक–24.10.2024 के आलोक में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO) एवं नियम 2020 के अन्तर्गत सहायक व्यक्ति (Support Person) के पैनल के निर्माण के उद्देश्य से नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

आवेदन की प्रक्रिया :–

i. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि–25.04.2026 अपराह्न 5:00 बजे तक है।
ii. आवेदन पत्र विहित प्रपत्र में रजिस्टर डाक/स्पीड पोस्ट से निम्न पते पर भेजा जा सकता है। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, समाहरणालय भवन, ब्लॉक–बी, प्रथम तल, कमरा संख्या–111, राँची (झारखण्ड) 834001

आवेदन हेतु प्रपत्र, नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी www.ranchi.nic.in पर उपलब्ध है।

ह०/–
उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी,राँची

PR 375899 Ranchi(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एडटेक की परीक्षा, महामारी के बाद संघर्ष और निवेश की नई चुनौतियां

कौशल विकास कंपनी अपग्रेड द्वारा एडटेक प्लेटफॉर्म अनएकेडमी को पूरी तरह स्टॉक डील में खरीदने के प्रस्ताव ने उस कारोबार के लिए उम्मीद पैदा की है जो लॉकडाउन के बाद स्कूलों के खुलने से प्रभावित होने के कारण लड़खड़ा रहा है। वर्ष 2022 से चल रही फंडिंग की समस्या अभी तक सुलझने के कोई संकेत नहीं दिखा रही है। ग्राहकों और भागीदारों द्वारा संदिग्ध कॉरपोरेट गवर्नेंस और असामान्य दस्तूर अपनाने के आरोपों के बीच भारत के पहले हाई-प्रोफाइल एडटेक यूनिकॉर्न बैजूस के पतन ने इस क्षेत्र के आकर्षण को बहुत हद तक धूमिल कर दिया। महामारी के बाद अनएकेडमी और नोएडा स्थित वेदांतु जैसे प्लेटफॉर्मों की संघर्षपूर्ण स्थिति ने भी इस क्षेत्र की स्थिति को और खराब कर दिया है। ये कभी इस क्षेत्र में अग्रणी थे। ताजा सौदा अपग्रेड की तरफ से दो महीने में दूसरी पेशकश है। जनवरी में चल रही बातचीत मूल्यांकन को लेकर मतभेद के कारण विफल रही थी। बताया जाता है कि उद्यमी और फिल्म निमार्ता रॉनी स्क्रूवाला द्वारा सह-संस्थापित अपग्रेड ने 30 करोड़ डॉलर का मूल्यांकन प्रस्तावित किया था जो अनएकेडमी के निवेशकों द्वारा चाहे जा रहे 2.25 अरब डॉलर के मूल्यांकन से काफी कम था। वर्ष 2021 में इसका मूल्यांकन 3.4 अरब डॉलर के साथ उच्चतम स्तर पर था। 2024 में अनएकेडमी और कोटा में तैयारी कराने वाली प्रमुख संस्था एलेन करियर इंस्टीट्यूट के बीच चल रही बातचीत भी इन्हीं वजहों से विफल हो गई थी। इस सौदे के संभावित पुनर्जीवन (फिलहाल केवल एक टर्म-शीट पर हस्ताक्षर हुए हैं) से यह संकेत नहीं मिलना चाहिए कि इस क्षेत्र को नई जान मिल रही है। आगे के सौदे 2021 और 2022 जैसी सुर्खियां बटोरने वाली ऊंची मूल्यांकन दरों पर होने की संभावना नहीं है। निवेशकों के बीच नजरिया यह है कि नया निवेश जुटाने के लिए प्रवर्तकों को बड़े पैमाने पर कटौती करनी पड़ेगी (जिसका संकेत अपग्रेड-अनएकेडमी सौदे से मिलता है)। 2024 में एडटेक फंडिंग में हल्की बढ़ोतरी ने उम्मीदें जगाईं लेकिन 2025 में सौदों की संख्या घटकर 31 रह गई, जो 2024 में 48 थी और जो 2021 के उछाल वर्ष में 172 तथा 2022 में 95 की तुलना में बहुत कम है। यह एक दशक में सबसे कम है। फंडिंग भी 2024 के 57.2 करोड़ डॉलर से घटकर 2025 में 24 करोड़ डॉलर रह गई। यह 2021 के 4.78 अरब डॉलर और 2022 के 2.44 अरब डॉलर से तेज गिरावट है। नोएडा मुख्यालय वाली फिजिक्सवाला सूचीबद्ध होने वाली पहली एडटेक कंपनी बनी। उसका शेयर बाजार प्रदर्शन इस दृष्टिकोण को दशार्ता है। नवंबर 2025 में 145 रुपये पर सूचीबद्ध होने के बाद, इसका शेयर अब लगभग 80-86 रुपये पर ठहरा हुआ है। कई तरह से एडटेक क्षेत्र खराब रणनीति सोच का भी उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह गलती उद्यमियों और निजी इक्विटी/वेंचर कैपिटल निवेशक, दोनों की ओर से नजर आती है। अधिकांश एडटेक प्लेटफॉर्म महामारी के वर्षों में तेजी से बढ़े और के-12 (किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक) क्षेत्र में प्रवेश कर गए, क्योंकि लॉकडाउन के दौरान पारंपरिक स्कूल बंद थे और ये एडटेक संस्थान निवेशकों से लगातार बढ़ते हुए मूल्यांकन का लाभ उठा रहे थे। आश्चर्य नहीं कि स्कूलों के फिर से खुलने के बाद वे प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। टेस्ट तैयारी और कोचिंग व्यवसाय में लगे प्लेटफॉर्म अनुभवी पारंपरिक संस्थानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाए। बैजूस और अनएकेडमी ने हाइब्रिड ऑनलाइन/ऑफलाइन मॉडल अपनाने की कोशिश में भारी नकदी खर्च की, आक्रामक रूप से स्टार्टअप्स का अधिग्रहण किया और इतनी तेजी से विस्तार किया कि गुणवत्ता नियंत्रण प्रभावित हुआ। परिणामस्वरूप लाभ में कमी आई और छंटनी हुई। निवेशकों की प्राथमिकताएं भी बदलती रही हैं। महामारी के बाद के दौर में कौशल उन्नयन, उच्च शिक्षा और पेशेवर पढ़ाई को एडटेक निवेश के लिए अधिक लाभकारी विकल्प माना गया। अब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के आगमन के साथ निवेशक फिर से के-12 शिक्षा की ओर रुख कर रहे हैं, जहां प्लेटफॉर्म की स्कूल छात्रों को व्यक्तिगत शिक्षा देने की क्षमता एक प्रमुख विभेदक तत्व बनकर उभरेगी। लेकिन यहां भी फंडिंग में बेहतरी अभी नजर आनी है।

सीवर में मौतें

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निदेशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है। निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है।

प्रतिभा का सम्मान या संबंधों का विस्तार?

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

देशभर में आईएएस और आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएँ, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियाँ, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे–यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं। पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है।

ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए–विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुँच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं।

किन्तु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे-धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल ह्लप्रतिभा का उत्सवह्व न रहकर ह्लसंबंधों का प्रदर्शनह्व और ह्लसामाजिक-राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शनह्व बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है। यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है–कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुँच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुँच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं?

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएँ उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं।

ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं–कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे-मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए। उनके भीतर भी वही जज्बा, वही क्षमता और वही सपने होते हैं, जो किसी चयनित अभ्यर्थी के भीतर होते हैं–फर्क केवल इतना है कि उन्हें अवसर और संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते।इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम ह्लसम्मानह्व की परिभाषा को पुनः परिभाषित करें। क्या सम्मान केवल सफलता का उत्सव है, या वह संघर्ष की पहचान भी है? यदि सम्मान केवल उपलब्धि तक सीमित रह जाता है, तो वह अधूरा है। वास्तविक सम्मान वह है, जो उस यात्रा को भी स्वीकार करे, जो सफलता तक पहुँचने से पहले तय की जाती है–और उन कदमों को भी सराहे, जो अभी उस यात्रा पर हैं।

यदि इन सम्मान समारोहों को वास्तव में सार्थक बनाना है, तो उन्हें केवल औपचारिक आयोजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना होगा। इसके लिए कुछ ठोस पहलें आवश्यक हैं। सबसे पहले, चयनित अभ्यर्थियों को केवल सम्मानित करने तक सीमित न रखकर उन्हें ह्लमार्गदर्शकह्व की भूमिका में स्थापित किया जाना चाहिए। यदि हर चयनित अभ्यर्थी कुछ छात्रों का मार्गदर्शन करने का संकल्प ले, तो यह एक बड़ी सामाजिक शक्ति बन सकती है। उनके अनुभव, उनकी रणनीतियाँ और उनका दृष्टिकोण उन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं, जो अभी इस यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं।

दूसरा, ऐसे आयोजनों के साथ मेंटरशिप प्रोग्राम, निःशुल्क कोचिंग, पुस्तक बैंक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं को जोड़ा जाना चाहिए। केवल मंच पर सम्मान देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि उस सम्मान को समाज के लिए उपयोगी परिणामों में बदला जाए। यदि एक सम्मान समारोह से दस जरूरतमंद छात्रों को सही दिशा और संसाधन मिल जाएँ, तो उसकी वास्तविक सार्थकता सिद्ध हो सकती है।तीसरा, आयोजनों में केवल सफल अभ्यर्थियों को ही नहीं, बल्कि संघर्षरत छात्रों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। ऐसे छात्रों को मंच पर बुलाकर उनके प्रयासों की सराहना करना, उनकी कहानियाँ साझा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा–कि प्रयास भी सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम अभी न मिला हो। चौथा, इन आयोजनों को दिखावे और भव्यता से मुक्त कर सादगी और सार्थकता की ओर ले जाना होगा। अत्यधिक खर्च, अनावश्यक तामझाम और औपचारिक भाषणों के स्थान पर सार्थक संवाद, अनुभवों का आदान-प्रदान और वास्तविक समस्याओं पर चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हर बूंद की पुकार: जल संरक्षण ही समाधान

पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें।

योगेश कुमार गोयल

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को ह्यविश्व जल दिवसह्ण मनाया जाता है।

यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित ह्यपर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलनह्ण (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है।

विश्व जल दिवस 2026 की थीम है ह्यजल और लिंगह्ण (हंझी१ ंल्ली त्रील्लीी१)। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है।

दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। ह्यइंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसीह्ण का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है।

पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं।

विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें।

दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्त्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए ह्यराष्ट्रीय जल नीतिह्ण घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं।

हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राजस्थान का लोकोत्सव है गणगौर पर्व

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीघार्यु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

राजस्व आपदा प्रबंधन व भू-अर्जन योजनाओं की मासिक समीक्षा

राजस्व संग्रहण में पारदर्शिता व गति लाने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज:जिला अंतर्गत राजस्व विभाग, आपदा प्रबंधन तथा भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं कार्यों की मासिक समीक्षात्मक बैठक उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध राजस्व प्राप्ति एवं कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक की शुरूआत में वाणिज्य कर विभाग द्वारा वार्षिक लक्ष्य 9051.00 लाख के विरुद्ध 8646.16 लाख रुपये 81.01% राजस्व प्राप्ति की जानकारी दी गई। उत्पाद विभाग ने 7637.83 लाख रुपये की वसूली कर 112.32% लक्ष्य प्राप्त किया। परिवहन विभाग ने 2591.38 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 90.87% राजस्व वसूली कर किया। मोटर यान निरीक्षक विभाग ने 231.60 लाख रुपये की वसूली कर 45.69% लक्ष्य प्राप्त किया। नगर निकायों में साहिबगंज नगर परिषद ने अपने वार्षिक लक्ष्य 847.86 लाख के विरुद्ध 313.84 लाख रुपये तथा राजमहल नगर पंचायत ने 109.47% राजस्व वसूली की। मापतौल विभाग द्वारा 64.43%, मत्स्य विभाग द्वारा 90.89% तथा विद्युत बोर्ड द्वारा 10800.00 लाख रुपये की वसूली कर 101.24% लक्ष्य प्राप्त किया गया। अक्टूबर माह में भू-सेस, भू-लगान, दाखिल-खारिज, परिशोधन, जीएम लैंड सम्मरू एवं भूमि अधियाचना से संबंधित मामलों की भी गहन समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व संग्रहण से जुड़ी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुँच सके। इसके उपरांत पूर्व तैयारी आपदा प्रबंधन अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निदेशों के आलोक में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से एनएचआई फेज-02 के भूमि अधिग्रहण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि इस योजना से जिले के विकास को गति मिलेगी। अतः सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला भू अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र विन्हा, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी समेत कार्यकारी एजेंसी उपस्थित थे।

अस्पताल की लापरवाही से गई महिला की जान, प्रसव के बाद मौत पर हंगामा

- बीडीओ के हस्तक्षेप के बाद मामला हुआ शांत

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: जिले के सतगावां प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद एक महिला की मौत का मामला सामने आया है, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना के विरोध में गुस्साए लोगों ने अस्पताल परिसर में शव रखकर जमकर हंगामा किया और दोषियों पर कार्रवाई के साथ मुआवजे की मांग की।मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम मोदीडीह (पोस्ट बासोडीह) निवासी मो० मोहिका आलम अपनी बहन तरन्नून प्रवीण को प्रसव के लिए 22 मार्च 2026 को करीब एक बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां लेकर पहुंचे थे।दोपहर लगभग 3 बजे प्रसव कराया गया, जिसमें छोटा ऑपरेशन भी किया गया परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। इसकी जानकारी अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सों को दी गई, लेकिन समय रहते समुचित इलाज नहीं किया गया। स्थिति लगातार बिगड़ती गई, बावजूद इसके स्वास्थ्यकर्मियों ने गंभीरता नहीं दिखाई।बताया जाता है कि रात करीब 12:30 बजे महिला की हालत नाजुक होने पर उसे सदर अस्पताल, कोडरमा रेफर किया गया। परिजन रात करीब 2 बजे सदर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर स्थिति बताते हुए इलाज में असमर्थता जताई।अंततः सुबह करीब चार बजे प्रसूता की मौत हो गई।परिजनों ने आरोप लगाया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां में गलत तरीके से ऑपरेशन किए जाने के कारण महिला के शरीर को गंभीर नुकसान हुआ और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उसकी जान चली गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में शव रखकर प्रदर्शन किया और दोषी डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा उचित मुआवजे की मांग की।फिलहाल,प्रशासन की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है।

विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

साहिबगंज: महाविद्यालय स्नातक इतिहास विभाग में सेमेस्टर 5 के अंतर्गत प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन एवं विवा-वॉइस परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस परीक्षा का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ शिवानंद अवस्थी के नेतृत्व में किया गया।उन्होंने सभी छात्रों के प्रोजेक्ट पर विस्तृत चर्चा करते हुए उनके कार्यों का मूल्यांकन किया एवं आवश्यक सुझाव प्रदान किए।इस अवसर पर बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ यशराज सिंह भागलपुर उपस्थित रहे। जिन्होंने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट का सूक्ष्म अवलोकन कर उनका मूल्यांकन किया।छात्रों के उत्साहवर्धन हेतु महाविद्यालय के कई वरिष्ठ शिक्षक भी उपस्थित रहे। जिनमें डॉ.अनिल कुमार विभागाध्यक्ष,रसायन विभाग, डॉ.ध्रुव ज्योति कुमार सिंह विभागाध्यक्ष,मैथिली विभाग डॉ दिनेश इतिहास विभाग एवं डॉ.चंद्रशेखर प्रमुख रूप से शामिल थे। डॉ अनिल ने बच्चों को झारखण्ड के ऐतिहासिक जगहों पर जाकर,उसकी विशेषता उपलब्धि,महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रोजेक्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया।इस परीक्षा में लगभग 226 छात्रों ने भाग लिया।परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

रामनवमी शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक

मेट्रो रेज संवाददाता

मरकच्चो: रामनवमी त्योहार को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु मरकच्चो थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश मंडल ने किए, जबकि संचालन थाना प्रभारी नंदकिशोर तिवारी द्वारा किया गया।वहीं बैठक में एसडीएम ओम प्रकाश मंडल ने स्पष्ट किया कि रामनवमी का जुलूस पूरी तरह से सरकारी गाइडलाइन के दायरे में ही निकाला जाएगा।उन्होंने सभी से शांति व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह किया।जबकि थाना प्रभारी नंद किशोर तिवारी ने सुरक्षा मानकों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा की रामनवमी के जुलूस में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और न ही उन पर ध्यान दें।भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर पुलिस की सख्त नजर रहेगी। बैठक में अंचलाधिकारी परमेस्वर कुशवाहा, प्रखंड विकाश पदाधिकारी हुलास महतो, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, भाजपा नेता राज कुमार यादव, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, मुखिया प्रतिनिधि बसंत साव, पंचायत समिति प्रतिनिधि सुरेश साव, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर तिवारी, समाजसेवी सुजीत यादव, रियासत आलम समेत दर्जनों समाजसेवी और अन्य स्थानीय नेता व ग्रामीण मौजूद थे।

थाना प्रभारी चले गांव की ओर कार्यक्रम में समाजिक बुराइयों पर जागरूकता का संदेश

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट:प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हिरणपुर पंचायत भवन में थाना प्रभारी चले गांव की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान,जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम और थाना प्रभारी पवन कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने बारी-बारी से संबोधित करते हुए समाज में फैल रही विभिन्न बुराइयों पर प्रकाश डाला। साथ ही इन समस्याओं के रोकथाम के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया।वक्ताओं ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही समाज में शांति और कानून व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक करते हुए अपराध व सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने की अपील की गई।मौके पर ज़िप सदस्य जेठा मुर्मू,समदा सोरेन,पंचायत अध्यक्ष होपना सोरेन,सचिव हिंकू हांसदा सहित पंचायत के सभी सक्रिय कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

डॉ.एमके.पोद्दार की पुण्यतिथि पर विशाल होम्योपैथिक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज:स्वर्गीय डॉ.एम. के.पोद्दार की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पोडदार होम्यो क्लिनिक द्वारा लाल बथानी,मखमलपुर दक्षिण पंचायत भवन में एक दिवसीय नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।इस शिविर का संचालन क्लिनिक के चिकित्सक डॉ एस एन प्रसाद एवं डॉ. उमा कुमारी के कुशल नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय डॉ. एमके.पोद्दार के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।उपस्थित सभी लोगों ने उनके चिकित्सा क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इसके उपरांत शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। शिविर में कुल लगभग 380 मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण चेकअप किया गया तथा उन्हें उनकी बीमारी के अनुसार होम्योपैथिक दवाइयाँ नि:शुल्क वितरित की गईं।साथ ही मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण परामर्श देकर जागरूक भी किया गया।होम्योपैथी सुरक्षित,प्रभावी और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति इस अवसर पर बताया गया कि होम्योपैथिक चिकित्सा न केवल रोग के लक्षणों का उपचार करती है। बल्कि रोग के मूल कारण पर कार्य कर शरीर की आंतरिक शक्ति को बढ़ाती है।यह पद्धति बिना किसी दुष्प्रभाव के सुरक्षित एवं दीर्घकालिक लाभ प्रदान करती है। शिविर की सफलता में हाजी मुस्लिम अली,मोहम्मद इरफान एमडी.मुक्तीम जियाउल हक का सराहनीय योगदान रहा। वहीं सहयोगी के रूप में संजय कुमार,रतन कुमार,हर्ष कुमार,आशीष रंजन ने सक्रिय भूमिका निभाई। विशेष रूप से व्हीजेल कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर विकास कुमार मिश्रा का इस शिविर की सफलता में महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सकरो गढ़ स्थित चैती दुर्गा मंदिर का एसडीपीओ और नगर अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

देवी मां की आराधना भक्तों में नए आत्मविश्वास का संचार करती है: एसडीपीओ

- मां की साधना हर किसी को नई ऊर्जा से भर देती है : रामनाथ पासवान

संवाददाता

साहिबगंज:नगर थाना क्षेत्र के सकरोगढ स्थित चैती दुर्गा मंदिर का उद्घाटन एसडीपीओ एवं नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने संयुक्त रूप से फीता कटकर किया इस संबंध में एसडीपीओ किशोर तिर्की ने कहा कि देवी मां की आराधना भक्तों में नए आत्मविश्वास का संचार करती है। उनकी साधना हर किसी को एक नई ऊर्जा से भर देती है।जबकि मां का पूजा करने वाले पंडित जी ने बताया कि।सप्तमी पूजा हिंदू धर्म में माता दुर्गा, शीतला माता या भगवान सूर्य को समर्पित एक महत्वपूर्ण तिथि है, जो विशेष रूप से नवरात्रि में दुर्गा पूजा महा सप्तमी, संतान प्राप्ति के लिए 'संतान सप्तमी' और शीतला माता की पूजा शीतला सप्तमी के रूप में मनाई जाती है।यह दिन शक्ति की आराधना और सुख-समृद्धि के लिए पूजा-पाठ का होता है। प्रमुख सप्तमी पूजा के विवरण:महा सप्तमी दुर्गा पूजा नवरात्रि के सातवें दिन महा सप्तमी मनाई जाती है। इस दिन माता दुर्गा के 'कालरात्रि' स्वरूप की पूजा की जाती है। इस दिन 'नवापत्रिका' या 'कोलाबौ' 9 प्रकार के पौधों की पूजा और स्नान कराकर उन्हें देवी के रूप में स्थापित किया जाता है।संतान सप्तमी व्रतः यह भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी को शीतला माता की पूजा की जाती है। इस दिन ठंडा भोजन एक दिन पहले बना हुआ खाया जाता है और माता को भी वही भोग लगाया जाता है। जिसे बासौड़ा कहा जाता है।

पूजा विधिः सप्तमी के दिन सुबह स्नान आदि कर स्वच्छ वस्त्र पहनें, देवी या देवता की प्रतिमा की स्थापना करें, उन्हें फूल, अक्षत, धूप-दीप और नैवेद्य अर्पित करें। महत्वःसप्तमी तिथि भगवान सूर्य को भी समर्पित है। इसलिए इस दिन सूर्य देव की पूजा से आरोग्य और तेज की प्राप्ति मानी जाती है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।

रामनवमी को लेकर चंदवारा में निकाला गया फ्लैग मार्च

चंदवारा (कोडरमा): आगामी रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर चंदवारा में प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में मंगलवार को चंदवारा थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर मुख्य बाजार, बजरंगबली चौक, अन्य चौक-चौराहों से होकर गुजरा है। इस दौरान पुलिस बल ने आम लोगों से शांति एवं आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर एसआई दिलीप मंडल सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज IN ब्रीफ

सरकार टीबी उन्मूलन के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है: सिविल सर्जन

साहिबगंज: विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, गरग्राम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक भव्य जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में क्षय रोग टीबी के प्रति जागरूकता फैलाना, टीबी मुक्त पंचायतों को सम्मानित करना तथा टीबी उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे 100 डेज टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरूआत करना था।कार्यक्रम की शुरूआत सभी सहियाओं द्वारा टीबी जागरूकता रैली निकालकर की गई। इस रैली के माध्यम से ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, जांच एवं उपचार के बारे में जानकारी दी गई। ह्वटीबी हारेगा, देश जीतेगाह्व जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और टीबी उन्मूलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। रैली के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान, जिला क्षय पदाधिकारी डॉ. किरण माला, प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बरहरवा डॉ. सरिता टुडू एवं बताइल पंचायत के मुखिया द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात सभी अतिथियों द्वारा पौधों में जल अर्पित कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर टीबी मुक्त पंचायतों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन पंचायतों को पदक प्रदान कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई, जिससे अन्य पंचायतों को भी प्रेरणा मिल सके कि वे भी अपने क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान 100 डेज टीबी मुक्त भारत अभियान की औपचारिक शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन द्वारा संदेहास्पद टीबी रोगियों की ऑन-द-स्पॉट जांच की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराना है, जिससे संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके।

जिला क्षय पदाधिकारी डॉ. किरण माला ने अपने संबोधन में कहा कि टीबी एक पूर्णतः इलाज योग्य बीमारी है, बशर्ते इसकी समय पर पहचान और नियमित उपचार हो। उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि किसी को लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना या कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान ने कहा कि सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर हम सामूहिक प्रयास से टीबी मुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और संदिग्ध मरीजों की पहचान सुनिश्चित करें। इस कार्यक्रम में जिले के सभी टीबी कर्मी, सीएचसी बरहरवा के स्वास्थ्य कर्मी, सहिया, आंगनबाड़ी सेविका, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर टीबी हारेगा, देश जीतेगा के संकल्प को दोहराया और इसे जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे, ताकि टीबी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़े और टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

विजय कुमार कर्ण व भानु प्रताप सिंह के बीच सीधा मुकाबला होना तय है

साहिबगंज: जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज का वर्ष 2026 से 2028 तक के लिए चुनाव को लेकर आज नाम वापसी के दिन एक भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। अब अध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला ललित स्वदेशी, संजय कुमार जायसवाल एवं मुन्नीलाल मंडल के बीच होगा।उपाध्यक्ष पद पर गौतम प्रसाद सिंह,बालकृष्ण पासवान और अशोक कुमार यादव के बीच मुकाबला होगा। जबकि सचिव पद के लिए विजय कुमार कर्ण व भानु प्रताप सिंह के बीच सीधा मुकाबला होना तय है। संयुक्त सचिव के दो पद के लिए देवेंद्र कुमार चौधरी,राज कुमार,लाल बाबू यादव,सरदार आनंद गोपाल सिंह एवं अरविंद कुमार राय के बीच मुकाबला होगा। कोषाध्यक्ष के लिए दिलीप कुमार झा एवं सह कोषाध्यक्ष के लिए सुजीत कुमार मंडल को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।अब ने नामांकन किया है। जिसे निर्विरोध चुना जा चुका है। जबकि कार्यकारिणी के पांच पद के जयप्रकाश, रविदास ,पावेंद्र ,रितेश कुमार ,मोहम्मद वसीम, बदरुद्दीन अंसारी ,सुजाता सोरेन, सुभाष कुमार गुप्ता एवं मानव कुमार पासवान अपना भाग्य आजमा रहे हैं। चुनाव 28 मार्च को सुबह से होगी और उसी दिन मत पत्र की गिनती के बाद परिणाम घोषित किया जाएगा।चुनाव को लेकर प्रत्याशी घर घर जाकर अपने पक्ष में मतदान का आग्रह कर रहे है।

भूटभूटिया अनियंत्रित होकर दुकान में घुसी पहाड़िया महिला गंभीर घायल

– इलाज में देरी पर ग्रामीणों में भड़का आक्रोश, किया सड़क जाम

साहिबगंज:तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बाकुड़ी बाजार में मंगलवार को एक भूटभूटिया अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक दर्जी की दुकान में जा घुसा। दुर्घटना में गदायटूंगी निवासी 28 वर्षीय चिन्तामुनी पहाड़िन गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना में चालक को भी चोटें आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार भूटभूटिया तीनपहाड़ से बरहरवा के सिरासिन की ओर जा रहा था। इसी दौरान बाकुड़ी के पास अचानक वाहन का स्टेयरिंग फंस गया जिससे चालक अपना संतुलन खो बैठा और वाहन सीधे दुकान में घुस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना की पेट्रोलिंग पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेकर थाना ले गई। हालांकि घायल महिला को तत्काल अस्पताल नहीं ले जाने से स्थानीय पहाड़िया समुदाय के लोग आक्रोशित हो उठे। गुस्साए ग्रामीणों ने बाकुड़ी मुख्य सड़क जाम कर दिया जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने गंभीर रूप से घायल महिला को समय पर इलाज के लिए नहीं भेजा जबकि चालक को तुरंत थाना ले जाया गया। इससे आदिम जनजाति समुदाय में नाराजगी बढ़ गई। बाद में थाना प्रभारी के निर्देश पर घायल महिला को इलाज के लिए भेजा गया, लेकिन घटना के करीब चार घंटे बाद भी सड़क जाम जारी रहा। समाचार लिखे जाने तक पुलिस लोगों को समझाने में जुटी थी। वहीं पहाड़िया समाज का कहना है कि जब तक घायल महिला के इलाज की जिम्मेदारी सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक जाम नहीं हटाया जाएगा।

रवीना टंडन ने अपने करियर की असुरक्षाओं और 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' पर खुलकर बात की

अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में अपने करियर के दौरान महसूस की गई असुरक्षाओं और 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' से निपटने के अपने नजरिए के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पब्लिकेशन के आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इस आर्टिकल में यह आरोप लगाया गया था कि करिश्मा कपूर, फिल्म 'अंदाज अपना अपना' की शूटिंग के दौरान, रवीना के कॉस्ट्यूम पर नजर रखने के लिए लोगों को भेजती थीं। आर्टिकल के अनुसार, कॉस्ट्यूम डिजाइनर एशले रेबेलो ने बताया कि करिश्मा अपनी टीम के सदस्यों को यह देखने के लिए भेजती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रवीना ने कहा कि वह उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो अपनी समकालीन अभिनेत्रियों से असुरक्षित महसूस करती हों, और न ही उन्हें कभी 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' (आपसी राजनीति) में कोई दिलचस्पी रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हैं और उन्हें लगता है कि ईश्वर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। रवीना ने आगे कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। 'केजीएफ: चैप्टर 2' की अभिनेत्री की ताजा पोस्ट में लिखा था, 'बस यह साफ करने के लिए। मुझे कभी भी दूसरों से, जरा भी, कोई असुरक्षा महसूस नहीं हुई, और न ही मैं कभी किसी तरह की 'स्कूल क्लासरूम पॉलिटिक्स' में शामिल रही। मैं हमेशा अपनी दुनिया में खुश रही हूं और उन सभी मौकों के लिए ईश्वर की आभारी हूं जो उन्होंने मुझे दिए हैं। जय शिव शंभू। मुझे कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। ईश्वर बहुत दयालु रहे हैं। इसलिए जो लोग मुझे जानते हैं, वे हमेशा सच जानेंगे। ' पोस्ट के आखिर में, रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के लिए अपना प्यार जाहिर करते हुए अपनी बात खत्म की। उन्होंने लिखा, 'हमेशा प्यार, एशले रेबेलो। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी ने कल्ट क्लासिक फिल्म 'अंदाज अपना अपना' की शूटिंग के दौरान करिश्मा और रवीना के बीच के तनाव के बारे में बात की हो। इन दोनों मुख्य अभिनेत्रियों के बीच की प्रतिद्वंद्विता पर, इस प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों द्वारा पिछले कई सालों से काफी चर्चा होती रही है।

धुरंधर: द रिवेंज' की सफलता के बीच रणवीर सिंह का बड़ा खुलासा

स्पाई एक्शन थ्रिलर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस में ताबड़तोड़ कमाई करने में जुटी है। फिल्म की कहानी और कलाकारों के बेहतरीन अभिनय से धुरंधर का जादू हर भारतीय के सर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म में जियोपॉलिटिकल मुद्दे, गुप्त ऑपरेशन और देशभक्ति के तत्व मजबूती से उठाए गए हैं। ऐसे कई संवेदनशील और आम लोगों की पहुंच से दूर के मुद्दों को फिल्म में दिखाया गया है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं। सोमवार को निर्देशक आदित्य धर ने रणवीर का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस वीडियो में रणवीर ने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने और कहानी सुनने के अनुभव को बताया। दरअसल, ये वीडियो एक इवेंट का है, जिसमें रणवीर कहते हैं कि जब उन्होंने पहली कहानी सुनी थी, तो वे इसे सुनते ही हैरान रह गए थे। अभिनेता ने कहा, 'जब सर ने मुझे ये कहानी सुनाई, मैं तो हक्का-बक्का रह गया था। मैंने सर से पूछा भी कि क्या ऐसा सच में होता है? सर ने कहा, हां बेटा, ऐसा भी होता है। रणवीर ने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा, 'यह एक ऐसी दुर्लभ गुणवत्ता वाली फिल्म है, लेकिन बिना किसी दिखावे के। इसकी हर एक चीज बिल्कुल सही और विश्वसनीय तरीके से पेश की गई है, जो व्यावसायिक तौर पर सिनेमा में खास संतुलन बनाए रखता है।

रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म 'सुंदर पूनम' का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। एक्ट्रेस का लुक इस फिल्म में काफी रहस्यमयी दिख रहा है। यूजर्स को लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' एक असल मर्डर से प्रेरित है। फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आई। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व..

जया प्रदा ने की रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' की तारीफ, लोगों से भी की देखने की अपील

रणवीर सिंह की हालिया रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म को दर्शकों के पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। फैंस के साथ कई सेलेब्स भी धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस जया प्रदा ने भी...

रणवीर सिंह की हालिया रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म को दर्शकों के पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। फैंस के साथ कई सेलेब्स भी धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस जया प्रदा ने भी फिल्म देखी और इसकी जमकर तारीफ की। जया प्रदा ने हाल ही में बात करते हुए सभी से फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' देखने की अपील की और इसके सभी कलाकारों की जमकर तारीफ की। जया प्रदा ने कहा, 'यह एक शानदार फिल्म है। यह ऐसी फिल्म है जो लोगों ने इतने सालों से नहीं देखी है। मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व है। बुरी बातें कहना बहुत आसान होता है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने काम किया, जिस तरह से उन्होंने स्क्रिप्ट लिखी और जिस तरह से सभी कलाकारों ने इस फिल्म को सफल बनाने के लिए काम किया। मैं हर किसी से अपील करती हूं कि वे इस फिल्म को देखें और इसकी सराहना करें।'

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को मिले शहीद का दर्जा : मुकेश खन्ना

अभिनेता मुकेश खन्ना ने अयोध्या धाम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हनुमान गढ़ी के पास स्थित राजद्वार पार्क से 'जय हिंद' सिग्नेचर अभियान की शुरुआत की। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि यह अभियान क्रांतिकारियों को सम्मान देने और उन्हें शहीद का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। मुकेश ने कहा, 'मैं अपनी जिंदगी में पहली बार अयोध्या आया हुआ हूं। देखकर समझ में आता है कि यहां पर बहुत बदलाव किया गया है। मंदिर बनने के बाद काफी तरक्की हुई है। मेरे साथी दीपक त्रिपाठी भी यहां के रहने वाले हैं। उन्होंने मुझे कई बार बताया है कि कितनी प्रगति हुई है।' अभिनेता ने आगे अपने अभियान को लेकर कहा, 'हम यहां पर दो मकसद से आए हैं। सबसे बड़ा कारण आज का दिन है। आज शहीद दिवस है, आज के ही दिन भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को अंग्रेजों ने उन्हें फांसी दी थी। इसलिए हम आज 'जय हिंद' अभियान शुरू कर रहे हैं ताकि इन महान योद्धाओं को सम्मान मिले। अभिनेता ने अपने आने की वजह बताई। उन्होंने कहा, 'आप लोगों को सोचना चाहिए कि मैंने यहां पर आने के लिए आज ही का दिन क्यों चुना। पहले भी भाजपा मुझे कई बार बुला चुकी है। हालांकि, उस समय मैंने उनकी बातों को टाला नहीं था, लेकिन मैंने ये सोच रखा था कि अगर मैं जाऊंगा तो शांति से जाऊंगा, और आज मैं विशेष रूप से शहीदों के सम्मान में यहां पहुंचा हूं। मुकेश ने आगे मांग रखते हुए कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को आधिकारिक रूप से शहीद का दर्जा दिया जाए। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश सरकार, नेहरू सरकार और माउंटबेटन ने उन्हें यह दर्जा नहीं दिया था।

'धुरंधर 2' की सफलता के बीच दीपिका के साथ लंच डेट पर निकले रणवीर

फैंस के साथ ली सेल्फी, लगे बब्बर शेर के नारे

'धुरंधर 2' की सफलता के बीच दीपिका के साथ लंच डेट पर निकले रणवीर 'धुरंधर 2' की सफलता के बीच पहली बार रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक साथ नजर आए। इस दौरान रणवीर को देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए। रणवीर के प्रति लोगों का उत्साह देखकर अब दीपिका पादुकोण का रिएक्शन वायरल है... रणवीर सिंह इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। इस बीच अब पहली बार रणवीर सिंह पब्लिक के सामने आए और वो भी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ। कपल एक रेस्टोरेंट में लंच डेट पर निकले। इस दौरान रेस्टोरेंट से बाहर आते ही मीडिया और फैंस ने दोनों को घेर लिया। इस दौरान रणवीर को देखकर जहां फैंस ने उन्हें धुरंधर और बब्बर शेर जैसे तमगे दे डाले। वहीं दीपिका रणवीर के प्रति लोगों का ये क्रेज देखकर मुस्कुराती नजर आईं। इस बीच अब कपल की रेस्टोरेंट के अंदर की तस्वीरें भी सामने आई हैं। जहां दोनों ने फैंस और रेस्टोरेंट के स्टाफ के साथ भी सेल्फी लेकर उनका दिन बना दिया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में जेरेमी कोनी और हैडी टिफेन शामिल

एजेंसी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने हॉल ऑफ फेम में पूर्व ऑलराउंडर जेरेमी कोनी और हैडी टिफेन को शामिल किया है। यह पिछले साल घोषित ह्लफर्स्ट इलेवनह्व के बाद पहली बार नए नाम जोड़े गए हैं। जेरेमी कोनी ने 1974 से 1987 के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला और 1980 के दशक में न्यूजीलैंड टीम के स्वर्णिम दौर में अहम भूमिका निभाई। उनकी कप्तानी में टीम ने 1985 और 1986 में तीन ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत दर्ज की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया को उनके घर और न्यूजीलैंड में तथा इंग्लैंड को इंग्लैंड में हराना शामिल था। कोनी ने 52 टेस्ट मैचों में 2668 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि गेंदबाजी में 27 विकेट लिए। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 88 मैचों में 1874 रन और 54 विकेट हासिल किए। संन्यास के बाद वे सफल कमेंटेटर और प्रस्तुतकर्ता बने। वहीं, हैडी टिफेन को न्यूजीलैंड की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने 1999 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 19 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। टिफेन ने 117 वनडे मैचों में 2919 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं, साथ ही 49 विकेट भी लिए। उन्होंने दो टेस्ट और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले। कप्तान के रूप में उन्होंने टीम को 2009 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया। संन्यास के बाद उन्होंने न्यूजीलैंड महिला टीम को कोचिंग भी दी। टिफेन ने इस सम्मान पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ा गौरव है और वह उन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रही हैं, जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया। गौरतलब है कि पिछले साल हॉल ऑफ फेम की शुरूआत के दौरान बर्ट सटक्लिफ, जॉन आर. रीड, जैकी लॉर्ड, ट्रिश मैककेल्वी, ग्लेन टर्नर, सर रिचर्ड हैडली, डेबी हॉकले, मार्टिन क्रो, एमिली ड्रम्म, डेनियल विटोरी और ब्रेंडन मैक्कुलम जैसे दिग्गजों को शामिल किया गया था। हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के लिए खिलाड़ी का न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करना और कम से कम पांच साल पहले संन्यास लेना जरूरी है। चयन खिलाड़ियों के प्रदर्शन, नेतृत्व क्षमता और उनके प्रभाव को ध्यान में रखकर किया जाता है। कोनी और टिफेन को औपचारिक रूप से न्यूजीलैंड क्रिकेट अवॉर्ड्स के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

सीजन के अंत में लिवरपूल छोड़ेंगे मोहम्मद सालाह, भावुक संदेश में किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली : मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वह मौजूदा सत्र के अंत में लिवरपूल फुटबॉल क्लब को छोड़ देंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में अपने विदाई संदेश की शुरूआत करते हुए इस फैसले की पुष्टि की। 33 वर्षीय सालाह ने कहा, ह्लदुर्भाग्य से यह दिन आ गया है। यह मेरी विदाई का पहला हिस्सा है। मैं इस सत्र के अंत में लिवरपूल छोड़ दूंगा। उन्होंने क्लब, शहर और प्रशंसकों के साथ अपने गहरे जुड़ाव को याद करते हुए इसे अपने जीवन का अहम हिस्सा बताया। सालाह लिवरपूल के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 435 मैचों में 255 गोल किए हैं और इस सूची में केवल इयान रश और रोजर हंट उनसे आगे हैं। 2017 में क्लब से जुड़ने के बाद उन्होंने दो प्रीमियर लीग खिताब, चैंपियंस लीग, एफए कप, सुपर कप, क्लब विश्व कप और लीग कप जैसे कई बड़े खिताब जीते। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह क्लब और यहां के लोग उनके जीवन का इतना बड़ा हिस्सा बन जाएंगे। उन्होंने अपने साथियों और प्रशंसकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके करियर के सबसे अच्छे और कठिन समय में मिले समर्थन को वह कभी नहीं भूलेंगे। मोहम्मद सालाह ने यह भी कहा कि लिवरपूल हमेशा उनके दिल में रहेगा और यह क्लब उनके लिए घर जैसा रहेगा। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा, ह्लयहां से जाना आसान नहीं है, लेकिन मैं हमेशा इस क्लब का हिस्सा रहूंगा। गौरतलब है कि सालाह ने 2019-20 सत्र में लिवरपूल को 30 साल बाद लीग खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, पिछले साल नवंबर में क्लब के कोच आर्ने स्लॉट के साथ मतभेदों की खबरें भी सामने आई थीं, जिसने उनके भविष्य को लेकर अटकलों को और तेज कर दिया था।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ चैती छठ, आस्था में डूबा सुपौल

एजेंसी

सुपौल: चैती छठ पूजा के पावन अवसर पर उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व बुधवार की सुबह संपन्न हो गया। अहले सुबह से ही जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।व्रती महिलाएं और पुरुष पूरी श्रद्धा और नियम के साथ घाटों पर पहुंचे और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। घाटों पर ह्नछठी मैयाह्व के गीतों और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय हो उठा। व्रतियों की आस्था और समर्पण ने पूरे माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कई श्रद्धालु दंड प्रणाम करते हुए घाटों तक पहुंचे, जो इस पर्व की कठिन साधना और अटूट विश्वास को दशार्ता है। सुपौल के विभिन्न छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी और साफ-सफाई की व्यवस्था ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा

और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। इस दौरान कई श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना पूरी होने पर विशेष पूजा-अर्चना की और बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया। वहीं, कई घरों में भी आंगन में कृत्रिम घाट बनाकर छठी मैया की पूजा की गई, जिससे यह पर्व हर घर तक अपनी आस्था की रोशनी फैलाता नजर आया। चार दिनों तक चले इस महापर्व में व्रतियों ने कठोर नियमों का पालन करते हुए निर्जला व्रत रखा। उनकी आस्था, संयम और श्रद्धा ने इस पर्व को और भी खास बना दिया। छठ पूजा के समापन के साथ ही श्रद्धालुओं के चेहरे पर संतोष और मन में अपार शांति का भाव देखने को मिला। चैती छठ ने एक बार फिर सुपौल में आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश दिया, जहां हर कोई छठी मैया की भक्ति में लीन नजर आया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते ही चार दिवसीय चैती छठ संपन्न

भागलपुर : जिले भर में बुधवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते ही चार दिवसीय चैती छठ संपन्न हो गया। भागलपुर और नवगछिया, कहलगांव, पीरपैंती और सुल्तानगंज के गंगा घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा की और सुख-समृद्धि की कामना की। गंगा घाटों पर छठी मइया की गीतों के बीच श्रद्धालुओं में काफी उत्साह रहा। भागलपुर के बरारी घाट, कुप्पाघाट, सीढ़ी घाट सहित अन्य स्थानों पर प्रशासन ने पूजा के लिए व्यवस्था कर रखी थी। इसके अलावा सफाई, सुरक्षा के भी इंतजाम रहे। गंगा घाटों पर भारी भीड़ थी, लेकिन कई श्रद्धालुओं ने अपने घरों में ही छठ पूजा की। कुछ लोगों ने अपने आंगन या छत पर कृत्रिम तालाब बनाकर, तो कुछ ने जमीन में गड्ढा खोदकर उसमें पानी भरकर सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। यह परंपरा विशेष रूप से उन लोगों के बीच प्रचलित है, जो किसी कारणवश घाट तक नहीं पहुंच पाते। सुबह के अर्घ्य के साथ व्रतियों का कठिन निर्जला व्रत समाप्त हुआ। छठवर्तियों ने बताया कि बांस के बने सूप और दउरा में ठेकुआ, फल, गन्ना और अन्य प्रसाद चढ़ाए। उधर सबौर प्रखंड के मीराचक, बाबूपुर सहित विभिन्न गंगा घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। गंगा घाटों पर प्रशासन द्वारा भी व्यापक व्यवस्था की गई थी। साफ-सफाई, सुरक्षा और प्रकाश की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सुरक्षित माहौल में पूजा-अर्चना कर सकें। उल्लेखनीय है कि चैती छठ का पर्व अपनी शुद्धता और अनुशासन के लिए जाना जाता है। इसमें व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हैं और पूरी श्रद्धा से सूर्य देव तथा छठी मईया की पूजा करते हैं। यह पर्व सादगी और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था को दशार्ता है, जिसमें बांस के सूप और दउरा में ठेकुआ, फल, गन्ना और अन्य प्रसाद चढ़ाए जाते हैं। गंगा घाटों पर भारी भीड़ के बावजूद, कई श्रद्धालुओं ने अपने घरों में ही छठ पूजा की परंपरा निभाई। सूर्योदय के अर्घ्य के साथ ही व्रतियों का कठिन निर्जला व्रत समाप्त हुआ, जिसे पारण कहा जाता है।

मुख्यमंत्री साय आज राज्य के भूमिहीन हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे 500 करोड़

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ह्यदीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजनाह्व के तहत इस साल करीब पांच हजार भूमिहीन हितग्राहियों को धनधाशि प्रदान करेंगे। यह 10 हजार रुपये की वार्षिक सहायता धनराशि आज बुधवार को उनके खाते में सीधे भेजी जाएगी। राज्य सरकार की ओर से करीब पांच हजार इन हितग्राहियों के लिए 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की धनराशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बलौदाबाजार से आज यह धनराशि हितग्राहियों के खाते में अंतरित करेंगे। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के भूमिहीन कृषि श्रमिकों को सशक्त बनाना है। इस योजना से सर्वाधिक रायपुर जिला के 53 हजार 338 भूमिहीन कृषि मजदूर और सबसे कम बीजापुर जिला से 1542 भूमिहीन कृषि मजदूर शामिल हैं। सरकार ने इन्हें मुख्यधारा से जोड़कर यह संदेश दिया है कि 'अंत्योदय' की कतार में खड़ा आखिरी पंक्ति के व्यक्ति भी शासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गौकश घायल

बरेली : उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने बुधवार सुबह मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी गौकश घायल हो गया। आरोपित के दोनों पैरों में गोली लगी है, जबकि एक उपनिरीक्षक भी मामूली रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने आरोपित के पास से अवैध तमंचा, कारतूस और गौकशी के उपकरण बरामद किए हैं। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी हाइवे शिवम आशुतोष ने बताया कि आज सुबह करीब 5:35 बजे गश्त के दौरान थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस टीम को सूचना मिली कि मु0अ0सं0 232/25 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम में वांछित 25 हजार रुपये का इनामी कामिल उर्फ नक्ता बंद पड़ी रबर फैक्टरी के पास जंगल क्षेत्र में मौजूद है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। आरोपित ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। एक गोली उपनिरीक्षक पंकज कुमार के बाजू को छूते हुए निकल गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें गौकश कामिल उर्फ नक्ता के दोनों पैरों में गोली जा लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। आरोपित मूलतः थाना फतेहगंज पीलीभीत जिले का रहने वाला है।

ईरान से नेपाली नागरिक अमृत झा की रिहाई के लिए कूटनीतिक पहल

एजेंसी

काठमांडू : ईरानी सुरक्षा बलों के नियंत्रण में रखे गए नेपाली नागरिक अमृत झा से मुलाकात कर वास्तविक स्थिति जानने के लिए विदेश मंत्रालय ने पहल शुरू की है। यह पुष्टि हुई है कि उन सहित सात लोगों को हॉर्मुज स्ट्रेट से कुछ दूर स्थित केसन द्वीप से ईरानी सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया । इनमें से तीन लोग अभी भी हिरासत में हैं। अमृत का परिवार वर्तमान में उदयपुर के त्रियुगा नगरपालिका, गाईघाट में रह रहा है। दुबई की एक शिपिंग कंपनी में कार्यरत 30 वर्षीय अमृत को गिरफ्तार किए जाने का कारण और तिथि अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि उनके बारे में आवश्यक जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी ईरान में नेपाल के अवैतनिक महावाणिज्यदूत को दी गई है। विदेश मंत्रालय को प्राप्त दस्तावेजों में यह स्पष्ट नहीं है कि अमृत को कब गिरफ्तार किया गया। प्रवक्ता लोकबहादुर क्षेत्री पौडेल ने कहा,

ह्नयह पुष्टि हुई है कि अमृत को ईरानी सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया है, लेकिन उन्हें हिरासत में रखने के कारण स्पष्ट नहीं हैं और गिरफ्तारी की तिथि को लेकर भी भ्रम बना हुआ है। उन्होंने कहा, ह्नयह भी स्पष्ट नहीं है कि उन्हें हाल के युद्ध के दौरान गिरफ्तार किया गया या उससे पहले ही। इस बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश जारी है।ह्व कतर स्थित नेपाली दूतावास ईरान में अवैतनिक महावाणिज्यदूत के माध्यम से अमृत के बारे में जानकारी जुटाने और उनके परिवार से संपर्क कराने का काम कर रहा है। उनके अनुसार, 25 दिसंबर को ओमान के समुद्र से जहाज रवाना हुआ था, जिसमें सात लोग सवार थे। हिरासत में लिए गए लोगों में से चार को उसी समय रिहा कर दिया गया था, जबकि अमृत और दो भारतीय नागरिक अभी भी हिरासत में हैं।

अमृत और दो भारतीय नागरिकों को केसन द्वीप से हॉर्मुज क्षेत्र के अब्बास बंदरगाह स्थित जेल में स्थानांतरित किया गया है। उनकी रिहाई के लिए नियोक्ता कंपनी ब्लैक सी मरीन एलएलसी ने ईरान में वकील नियुक्त कर अदालत में याचिका दायर की है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित यह कंपनी कच्चे तेल के परिवहन का ठेका लेती रही है।वैदेशिक रोजगार विभाग के अनुसार, अमृत 19 जुलाई 2024 को सीमैन पद के लिए श्रम स्वीकृति लेकर यूएई गए थे। परिवार द्वारा कौंसुलर विभाग में दर्ज आवेदन के अनुसार, वे कंपनी के जहाज से दुबई से ईरान गए थे। अमृत की बहन पूजा ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्हें एक वॉइस मैसेज मिला, जिससे पता चला कि उनका भाई ईरान की जेल में है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत आज एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गई है। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:15 बजे ब्रेंट क्रूड 99.17 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 88.51 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इसके पहले ब्रेंट क्रूड पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को 104.49 डॉलर प्रति बैरल

के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 92.35 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था। आज के कारोबार की शुरूआत में ब्रेंट क्रूड लगभग छह प्रतिशत की कमजोरी के साथ 99.83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर खुला। ट्रेडिंग शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही ब्रेंट क्रूड की कीमत घट कर 97.18 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गई। इस गिरावट के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत में इजाफा हुआ, जिससे थोड़ी देर के लिए ब्रेंट क्रूड उछल कर 100.03 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही इसकी कीमत एक बार फिर 100 डॉलर के स्तर से नीचे आ गई। सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 5.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.17 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में भी आज पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 88.53 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। थोड़ी ही देर में इसकी कीमत टूट कर 86.72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गई। इसके बाद कुछ देर के लिए डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 89.36 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचा। सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 88.51 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

घटते पेड़ों की संख्या, गरूड़ के अस्तित्व के लिए खतरा

एजेंसी

भागलपुर : नवगछिया का कदवा दियारा बड़े गरुड़ जैसे विलुप्तप्राय पक्षी का प्रजनन क्षेत्र संरक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण स्थल है। लेकिन यहाँ घोंसलों के लिए पेड़ों की कमी, चिंता का विषय बनती जा रही है। घटते पेड़ों की संख्या विलुप्तप्राय गरूड़ के अस्तित्व के लिए खतरा साबित हो रहा है। पर्यावरण और पक्षीविद दीपक कुमार उर्फ झुन्नू का कहना है कि पक्षीविदों और स्थानीय लोगों को मिलकर इस दिशा में ईमानदारी से काम करने की जरूरत है। सबसे पहले, क्षेत्र में घटते पेड़ों की जगह देशी प्रजाति के घोंसले के लिए उपयुक्त पेड़ों का पुनर्रोपण होना नितांत आवश्यक है, ताकि पक्षियों

को सुरक्षित घोंसला बनाने का स्थान फिर से मिल सके। पुराने और बड़े पेड़ों को काटने से रोकने के लिए जागरूकता फैलाना भी बहुत जरूरी है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी हो, इसके लिए इमानदार प्रयास अत्यंत आवश्यक है। तभी इस प्राकृतिक धरोहर को बचाया जा सकता है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर इस अनमोल प्रजाति के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण घरेलू शेयर बाजार से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। आज के कारोबार की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.56 प्रतिशत और निफ्टी 1.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।आज सुबह 10 तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से

श्रीराम फाइनेंस, ट्रेंट लिमिटेड, अदानी पोर्ट्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और अदानी एंटरप्राइज के शेयर 4.31 प्रतिशत से लेकर 3.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, कोल इंडिया और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.21 प्रतिशत से लेकर 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,786 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,565 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 221 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर दो शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और चार शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 583.56 अंक की मजबूती के साथ 74,652.01 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली के मामूली झटके भी लगते रहे। इसके बावजूद खरीदारी के जोर की वजह से इस सूचकांक की चाल पर कोई असर नहीं पड़ा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1,157.97 अंक की बढ़त के साथ 75,226.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 152 अंक उछल कर 23,064.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों ने मोर्चा संभाल लिया और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के कारण इस सूचकांक की रफ्तार भी लगातार बढ़ती गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 388.80 अंक की मजबूती के साथ 23,301.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,372.06 अंक यानी 1.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,068.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 399.75 अंक यानी 1.78 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,912.40 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

वैश्विक शिक्षा पद्धति सीखने चार देशों की यात्रा पर जाएंगे तेलंगाना के स्कूल टीचर

हैदराबाद : तेलंगाना के स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षकों को वैश्विक शिक्षा पद्धति सीखने के लिए प्रदेश के 40 शिक्षकों का एक दल चार देशों की यात्रा पर भेजने का निर्णय किया है। यह निर्णय शिक्षकों के लिए टीचर्स एक्सपोजर विज़िट और एजुकेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत लिया गया है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को वैश्विक शिक्षा प्रणालियों से सीखने का अवसर देना करना है। स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस के अनुसार तेलंगाना के 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 20 से 24 अप्रैल के बीच फिनलैंड, सिंगापुर, वियतनाम और जापान की यात्रा पर जाएगा। उन्होंने बताया कि यह दौरा राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों का हिस्सा है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) और क्षेत्रीय संयुक्त निदेशकों को निर्देश दिए गए हैं कि चयनित हेडमास्टर्स, स्कूल असिस्टेंट्स और सेकेंडरी ग्रेड टीचर्स (एसजीटी) की पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा निदेशक ने सभी जिला कलेक्टरों को पत्र लिखकर प्रत्येक जिले से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए तीन-तीन शिक्षकों की पहचान कर प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया था। चयनित 28 शिक्षकों में हेडमास्टर, स्कूल असिस्टेंट और सेकेंडरी ग्रेड टीचर्स शामिल हैं। ये शिक्षक करीमनगर, महबूबाबाद, मेडक, खम्मम, मंचेरियल, संगारेड्डी, हैदराबाद, जंगांव, सिद्धिपेट, नलगोंडा, राजन्ना सिरसिल्ला और रंगारेड्डी जैसे जिलों से हैं। उन्होंने बताया कि जिला अधिकारी चयनित शिक्षकों को सूचित करेंगे और उनसे अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि करने को कहा गया है। प्रतिभागियों को वीजा प्रक्रिया और अन्य यात्रा संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी देने के लिए एक वर्चुअल ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी भी शामिल होंगे।

जंगली हाथी के हमले में युवक की मौत, इलाके में दहशत

नवादा : नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत अंतर्गत सुअरलेटी गांव में बुधवार को जंगली हाथी के हमले में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है, जबकि मृतक के घर पर मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार युवक रोज की तरह गांव के ही नोखी यादव के खटाल से दूध लेने गया था। दूध लेकर वह अपने घर लौट रहा था, तभी जंगल क्षेत्र में घूम रहे जंगली हाथी ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हाथी ने युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया जाता है कि मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वह अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गया है। उसकी असामयिक मौत से परिवार के सामने भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। घटना को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में हाथी के आने की जानकारी होने के बावजूद विभाग की ओर से न तो माइकिंग कर लोगों को सतर्क किया गया और न ही नियमित गश्ती की गई। ग्रामीणों का मानना है कि यदि समय रहते लोगों को चेतावनी दी जाती तो शायद यह दर्दनाक हादसा टल सकता था। वहीं जब ग्रामीण घटनास्थल की ओर गए तो देखा कि नोखी यादव की एक भैंस को भी हाथी ने मार दिया है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है और लोग शाम ढलते ही घरों में रहने को मजबूर हो गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

9 साल पुराने हत्याकांड में आरोपित को 10 साल की सजा और जुमार्ना

सुपौल : जिले में करीब नौ वर्ष पुराने गैर इरादतन हत्या के एक मामले में अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत सिंह की अदालत ने आरोपी गंगा प्रसाद साह को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास और 25 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आरोपित जुमार्ने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त 6 माह की सजा भुगतनी होगी। इस मामले में लंबी सुनवाई के दौरान कुल 10 गवाहों की गवाही हुई, जिनमें 7 अभियोजन पक्ष और 3 बचाव पक्ष के गवाह शामिल थे। घटना 9 मई 2017 की शाम की है, जब मृतक जयनारायण साह अपनी पत्नी के साथ घर के आंगन में बैठे थे। इसी दौरान गांव के ही गंगा प्रसाद साह अपने परिजनों के साथ वहां पहुंचे और विवाद के दौरान गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लकड़ी के डंडे से जयनारायण साह के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए पटना ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस मामले में मरौना थाना कांड संख्या 56/17 और सत्रवाद संख्या 252/17 दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश कुमार सिंह ने पक्ष रखा, जबकि बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विनोद कांत झा ने बहस की। अदालत ने 18 मार्च को आरोपी को दोषी ठहराया था और सजा के बिंदु पर अंतिम निर्णय सुनाया। इस फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिला है, वहीं अदालत का यह निर्णय समाज में एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

तीन करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त, मणिपुर के दो लोग गिरफ़्तार

कामरूप (असम) : असम में नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और कामरूप पुलिस के एक संयुक्त अभियान में अमीनगांव में हेरोइन की एक बड़ी खेप जब्त की गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, संयुक्त टीम ने बीती रात एक लक्षित अभियान के दौरान एक मारुति अर्टिगा (एएस- 01बीक्यू-5651) को रोका। वाहन की गहन तलाशी लेने पर दरवाजों के पैनल के अंदर चालाकी से छिपाई गई नशीली दवाएं बरामद हुईं, जिससे पता चलता है कि पकड़े जाने से बचने की एक सुनियोजित कोशिश की गई थी। अधिकारियों ने हेरोइन से भरे 25 साबुनदानी बरामद किए, जिनका वजन लगभग 350 ग्राम (पैकेजिंग को छोड़कर) था। जब्त किए गए इस प्रतिबंधित सामान की बाजार में कीमत लगभग तीन रोड़ रुपये आंकी गई है।

इस मामले में पुलिस ने मणिपुर के चुराचांदपुर ज़िले के रहने वाले दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। आरोपितों की पहचान लामिनथांग हाओकिप (29) और गिंकग्लहोलल हाओकिप (31) के रूप में की गई है।

इस अभियान का नेतृत्व एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक ने किया, जिन्होंने वाहन को रोकने और उसके बाद सामान जब्त करने की पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और नशीले पदार्थों की इस खेप के मूल स्थान और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसका पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

राजस्थान में 28 से फिर बदलेगा मौसम, आठ जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर : राजस्थान में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने 28 मार्च को प्रदेश के आठ जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं 25 से 27 मार्च तक अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने और कुछ स्थानों पर हल्के बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। प्रदेश में बीते दिन आंधी-बारिश की गतिविधियां कमजोर रही। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंशिक बादल छाए रहे। जैसलमेर और बाड़मेर सहित कुछ इलाकों में हल्की धूलभरी हवाएं चलीं, जबकि तापमान में बढ़ोतरी हुई। राजधानी जयपुर में मंगलवार को मौसम साफ रहा और दिनभर तेज धूप खिली। यहां अधिकतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस बढ़कर 33 डिग्री मापा गया। सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी रही, जबकि दिन में हल्की हवा चलने से मौसम सुहावना रहा। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर से जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर, सिरोही, श्रीगंगानगर, बीकानेर और जोधपुर सहित कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहे और धूप कम नजर आई। इन क्षेत्रों में तापमान सामान्य से नीचे रहा। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, वर्तमान में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जिससे पश्चिमी जिलों में हल्के बादल बने रह सकते हैं। हालांकि 28 मार्च को एक नया मौसमी तंत्र सक्रिय होगा, जिसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदलेगा और आंधी-बारिश का दौर फिर शुरू हो सकता है।

भगत सिंह के शहादत एव डॉ लोहिया की जयंती

वैश्य मोर्चा ने आयोजित किया आरक्षण बढ़ाओ-रोजगार दो, सम्मेलन

27% आरक्षण को लेकर संघर्ष तेज करने की घोषणा

संवाददाता

रांचीः शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस और डॉ राममनोहर लोहिया के जयंती के अवसर पर झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा द्वारा आरक्षण बढ़ाओ-रोजगार दो सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन रांची के रेडियम रोड़ स्थित आलोका सभागार में किया गया। इस सम्मेलन में रांची, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, लोहरदगा, लातेहार एवं खूंटी जिला के लोग शामिल हुए। इस सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया, जबकि संचालन प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार एवं उप प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। सर्वप्रथम केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु, वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार साहु आदि ने दीप जला कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। फिर सभी लोगों दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि दोनों महान सपूत वैश्य मोर्चा के आदर्श हैं और उनके विचारों को ही आत्मसात कर आगे बढ़ा जा रहा है। शहीद भगत सिंह ने जहाँ देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, वहीं डॉ। राममनोहर लोहिया ने ओबीसी, पिछड़े वर्ग के लिए देश की संसद में आवाज बुलंद किया था। 'पिछड़ा पावे सौ में साठ' का नारा डॉ लोहिया ने ही लगाया था। श्री साहु ने कहा कि झारखंड में भी वैचारिक एवं धरातल की लड़ाई की जरूरत है। हमें अपनी मांगों को लेकर धारदार आंदोलन करना है, इसके लिए तैयारी की जा रही है। जब तक वैश्य-ओबीसी को हक और मान सम्मान नहीं मिल जाता है, वैश्य मोर्चा चुप नहीं बैठेगा।

इस सम्मेलन को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार साहु, संजीव चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मण साहु, लखन अग्रवाल, केंद्रीय महासचिव चतुर साहु, मनोज कुमार मानू, शिव प्रसाद साहु, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, अनिल वैश्य, जगदीश साहु, मुख्य प्रवक्ता रोहित कुमार साहु, केंद्रीय सचिव राजेन्द्र साहु, जिलाध्यक्ष कृष्णदेव साहु (रांची), राजकुमार केशरी (रामगढ़), महेंद्र प्रसाद साहु (हजारीबाग), युवा मोर्चा के अध्यक्ष हलधर साहु, सचिव आदित्य पोद्दार, छात्र मोर्चा के उपाध्यक्ष मनोज चौरसिया व अन्य ने भी संबोधित किया।

सम्मेलन में दो प्रस्ताव भी पारित किए गए। पहले प्रस्ताव में कहा गया कि अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में एक बार फिर मुख्यमंत्री, मंत्रियों एवं सभी सांसदों, विधायकों को मांग पत्र सौंप कर अपनी बात रखी जायेगी। दूसरे प्रस्ताव में कहा गया कि आगामी 23 अप्रैल को रामगढ़ में वैश्य कार्यकर्ता महासम्मेलन आयोजित की जायेगी और आगे की रणनीति एवं कार्यक्रम घोषित किए जाएंगे।

इस संगठन केंद्रीय महासचिव रामाशंकर राजन, सचिव बसंत प्रसाद साहु, नंदकिशोर साहु, प्रयाग साव, परितोष पोद्दार, बद्री साव, दिवाकर प्रसाद, दिलीप प्रसाद, भगवान साहु, बलराम प्रजापति, सूरज मोदी, रतनलाल साहु, सुशेन पाल, कौशल्या देवी, मुक्ता देवी, अनु कुमारी, अंजलि देवी, बबीता देवी, रूबी देवी व सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

चैती छठ महापर्व पर विद्यार्थी परिषद् ने किया निःशुल्क दूध वितरण

दुमकाः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्(एबीवीपी) दुमका द्वारा मंगलवार को चैती छठ महापर्व के पावन अवसर पर एसएफएस के माध्यम से पोखरा चौक में निःशुल्क दूध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में परिषद् के कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आम लोगों के बीच दूध का वितरण किया। इस अवसर पर जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता ने कहा कि चैती छठ चैत्र माह में सूर्य देव और छठी मैया की पूजा के लिए मनाया जाने वाला चार दिवसीय महापर्व है। यह पर्व संतान की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल में द्रौपदी ने पांडवों के कष्टों को दूर करने के लिए इस व्रत का पालन किया था। प्रमुख दीप तिवारी ने कहा कि पौराणिक कथाओं के अनुसार छठी मैया (षष्ठी देवी) भगवान ब्रह्मा की मानस पुत्री मानी जाती हैं। उन्हें प्रकृति देवी का छठा अंश माना जाता है, जो सृष्टि की रक्षा करने वाली एवं मातृत्व की प्रतीक हैं। मान्यता है कि वे सूर्यदेव की बहन हैं, इसलिए छठ पूजा में सूर्यदेव के साथ उनकी भी आराधना की जाती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता, दीप तिवारी, शिवम जायसवाल, अभिनंदन कुमार, नवनीत कुमार एवं अनुज कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किया विभिन्न स्कूलों में मिड-डे मील की गुणवत्ता और स्वच्छता का सघन निरीक्षण

सोना रायठाढ़ीः प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी ने मंगलवार को सोनारायठाढ़ी प्रखंड में शिक्षा और पोषण के मानकों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेष निरीक्षण अभियान चलाया । इस अभियान के तहत प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी ने अपने अधिकार क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य केंद्र बिंदु बच्चों को दिए जाने वाले मिड-डे मील (मध्याह्न भोजन) की गुणवत्ता और रसोई घर की साफ-सफाई रहा। निरीक्षण के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी ने स्वयं भोजन चखकर उसकी पौष्टिकता और स्वाद की जाँच की। साथ ही संबंधित रसोइयों और विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि बच्चों के मेनू के अनुसार ही ताजा और गर्म भोजन परोसा जाए। इसके अतिरिक्त रसोई घर, बर्तनों की सफाई और पेयजल की व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया गया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वही मिड-डे मील के साथ-साथ छात्रों की उपस्थिति और विद्यालय की अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया गया।

अस्पताल में हंगामा

मरीज पिता को लेने आए बेटे को गार्ड्स ने जमकर पिटा,वीडियो वायरल

संवाददाता

जमशेदपुरः जिलें के टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में एक मरीज के परिजन और सुरक्षाकर्मियों के बीच मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बाइक को अस्पताल के अंदर ले जाने को लेकर शुरू हुई बहस देखते ही देखते मारपीट में बदल गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

5- 6 सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर की युवक की पिटाई : जिले के टाटा मेन हॉस्पिटल में बीते मंगलवार दोपहर एक युवक और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो गई। जानकारी के अनुसार, मानगो के आजादनगर निवासी मो. सलीफुल अपने पिता को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद बाइक से लेने आए थे। जब वह

बाइक लेकर अस्पताल के अंदर जाने लगे, तो गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। पहले उनसे हेलमेट पहनने को कहा गया और फिर बाइक बाहर खड़ी कर पैदल अंदर जाने के लिए कहा गया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। कुछ ही देर में यह बहस मारपीट में बदल गई। आरोप है कि 5- 6 सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर युवक की पिटाई कर दी। वहीं युवक ने भी अपनी रक्षा में हेलमेट से वार किया। एक घंटे तक चला हंगामाः इस घटना का वीडियो अस्पताल के सीसीटीवी और वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक खुद को बचाने की कोशिश करता नजर आ रहा है, जबकि कई गार्ड उसे घेरकर मारते दिख रहे हैं। घटना के बाद युवक के परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मुख्य गेट पर धरना देने लगे। करीब एक घंटे तक वहां हंगामा चलता रहा।

मामले की जांच की जा रही हैः सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने बताया कि बाइक को अस्पताल परिसर में ले जाने को लेकर विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज कराई है और मामले की जांच की जा रही है।

नदी किनारे मिला 227 किलो का खतरनाक बम डिफ्यूज करने उतरी सेना, हाई अलर्ट पर पूरा इलाका

पूर्वी सिंहभूमः जिले से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बहरागोड़ा क्षेत्र के पानीपड़ा-नागुड़साई गांव के पास स्वर्णरेखा के किनारे खुदाई के दौरान करीब 227 किलोग्राम (500 पाउंड) का भारी बम मिला है। इस खोज के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सेना की एंट्री, हाई अलर्ट पर पूरा इलाकाः सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और इंडियन आर्मी को अलर्ट किया। रांची से सेना की एक विशेष टीम घटनास्थल पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया। टीम ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ड्रोन कैमरे से आसपास के इलाके का सर्वे किया। बम की तकनीकी जांच शुरू की, संभावित खतरे का आकलन किया।

जांच में बड़ा खुलासाः बम अब भी लाइव प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह बम अभी भी सक्रिय स्थिति में है। यानी इसमें विस्फोट की पूरी क्षमता मौजूद है। सेना की टीम अब इसे सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज (निष्क्रिय) करने की प्रक्रिया में जुट गई है, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके।

द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़ा हो सकता है कनेक्शनः स्थानीय लोगों के **मुताबिक, यह बम संभवतः** द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान गिराया गया होगा। अनुमान है कि यह किसी अमेरिकी विमान से गिरा हो सकता है। वर्षों तक मिट्टी और बालू के नीचे दबा रहा और हाल की खुदाई के दौरान बाहर आया। हालांकि, इसकी असली पहचान और इतिहास की पुष्टि सेना की विस्तृत जांच रिपोर्ट के बाद ही होगी।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, लोगों को चेतावनीः घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह सील किया गया। लोगों को बम से दूर रहने की हिदायत दी गयी है। किसी भी तरह की छेड़छाड़ पर सख्त रोक लगायी गयी है।इलाके में और बम होने की आशंका भी जतायी जा रही है। ग्रामीणों का दावा है कि नदी किनारे ऐसे और भी विस्फोटक दबे हो सकते हैं। इस आशंका को ध्यान में रखते हुए सेना ने ड्रोन सर्वे शुरू किया और मेटल डिटेक्टर से तलाशी अभियान तेज किया।

आगे क्या होगा? : सेना की टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजेगी। इसके बाद निदेर्शों के अनुसार बम को पूरी तरह निष्क्रिय किया जाएगा और इलाके को सुरक्षित घोषित किया जाएगा।

वीर कुंवर सिंह स्टेडियम के प्रांगण में बिहार दिवस के उपलक्ष्य पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

चक्रधरपुरः आज स्थानीय वीर कुंवर सिंह स्टेडियम के प्रांगण में बिहार दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। तकरीबन 100 अलग- अलग तरह के गतिविधि और गैलरी निर्माण कर एक बेहतर माहौल सृजित करने का प्रयास किया गया। शिक्षा विभाग के कला गैलरी में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भोजपुर के छात्राओं द्वारा सृजित कई तरह के कलाकृतियों से सजी कला गैलरी अपने कलात्मकता को लेकर याद रखा जाएगा। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेन्द्र कुमार राय ने कहा कि छात्राओं में असीम रचनाधर्मिता है, कला के प्रति गहरा लगाव है जो प्रदर्शित कला में दिख रहा है। वहीं जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया शहर के वरिष्ठ कला प्रेमियों के साथ गैलरी अवलोकन क्रम में कहा कि छात्राओं द्वारा सृजित कलाकृतियां अपने मौलिक आत्मविश्वास को दशार्ता है। हम जो सोंच समझ रखते हैं उसे कला का रूप देना खुद को व्यक्त करना जरूरी बन पड़ता है। वहीं कार्यक्रम पदाधिकारी चंदन प्रभाकर ने चित्र

अवलोकन करते हुए बोले कि यह छात्राओं की सहज भावनाएं हैं जो अलग-अलग विधा में सामने आई है। चक्षु कलाओं में अक्सर देखा गया है कि, संस्कृति और कला का सारगर्भित रूप बालपन में सहज सपाट रूप में दिख जाता है। बिहार दिवस के अवसर पर यह कला प्रदर्शनी वीर कुंवर सिंह स्टेडियम के प्रांगण में आयोजित था जहां अलग-अलग लोक कला और आधुनिक कलाओं का जमावड़ा लगा था। वहीं प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी भोजपुर के पूर्व प्रभारी कला प्रेमी श्री विजय कुमार सिन्हा ने गैलरी अवलोकन क्रम में बोले छात्राओं में लोक समझ के साथ आधुनिक विचार भी है। यहां प्रदर्शित कलाकृतियों में परिपक्वता और कलात्मकता स्पष्ट दिख रहा है। इस कार्यशाला में शहर के वरिष्ठ और युवा अनुभवी कलाकारों को एक साथ आमंत्रित कर तीन दिनों तक तैयारियां किया गया था। कार्यशाला प्रशिक्षकों में मुख्य मनीष कुमार, राहुल कुमार पासवान, राजेश कुमार चौहान, मोनिका कुमारी, अविनाश कुमार, रौशन राय, सोनल सिंह, रवि साह मुख्य है। भोजपुर कस्तूरबा गांधी प्रभारी मिथिलेश कुमार ने कहा कि रचनाधर्मिता छात्राओं के विचारों में साफ दिख रहा है। छात्राओं द्वारा सृजित चक्षु कला अपने मौलिक विचारों को लेकर समय के साथ खड़ा दिख रहा है। कार्यक्रम में भव्यता इस बात से दिख रहा था कि सारे कला गैलरियों को कलाकृतियों से सजाया गया था। सहर के ढेरों वरिष्ठ पत्रकार कला प्रेमी ढेरों साहित्य सर्जक चित्रकार कलाकृतियों का अवलोकन कर आपना विचार साझा किए। कला शिक्षक चित्रकार रौशन राय ने अपने संबोधन में कहा यह आयोजन ढेरों मामला में बिल्कुल नया है। छात्राओं द्वारा सृजित कोलाज, कैलीग्राफी, चित्र, शिल्प , और ढेरों तरह के कलात्मक वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है जो दृष्टिगत होता है। कला के कई प्रसांगिक कड़ियों को जोड़ समकालीन शैली को अपनाकर नयापन लाया गया है जो दर्शकों को रोमांचित कर रहा है।

स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की आयोजित बैठक संपन्न

दुमकाः समाहरणालय के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हाकी अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से सम्बंधित विभिन्न कार्यों विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सर्वाईकल कैंसर के रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण के सफल क्रियान्यवन के लिए आवश्यक निर्देश दिया। 1 अप्रैल 2026 से अगले तीन माह तक एचपीवी टीकाकरण अभियान संचालित किया जाएगा, जिसके तहत यू-विन पोर्टल के माध्यम से 14 वर्ष से अधिक और 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की सभी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीका लगाया जाएगा। इसके लिए जिले में कुल 16,029 का लक्ष्य निर्धारित है तथा जिले के सभी 10 प्रखंडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के लिए बालिकाओं को अपने अभिभावक के साथ सीएचसी आना होगा साथ अभिभावक से कंसेंट फॉर्म भरवाना होगा। बैठक में सुरक्षित प्रसव तथा मातृ -शिशु के स्वास्थ्य से सम्बंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा किया गया ' उपायुक्त श्री सिन्हा ने बालिकाओं को आयरन-फोलिक एसिड के वितरण एवं सेवन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया । उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा टीबी एवं कालाजार जैसी बीमारियों के उन्मूलन हेतु समन्वित प्रयास एवं जागरूकता अभियान को और सशक्त बनाने पर बल दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, सहायक समाहर्ता, सिविल सर्जन डॉ. कमलेश्वर प्रसाद सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

शांति व सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाएं रामनवमीः उपायुक्त

संवाददाता

दुमकाः मंगलवार को रामनवमी पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु शहर के इंडोर स्टेडियम में जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, अखाड़ा समिति के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठकें संपन्न कर ली गई हैं जिसमें जिला स्तर से प्राप्त निदेर्शों के अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया हैं। प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण एवं पर्व के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि जिले में आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द की परंपरा निरंतर बनी रहे, इसके लिए हम सभी का सहयोग और सजग सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में तैनात दंडाधिकारी जुलूसों पर सतत निगरानी रखेंगे। सभी जुलूसों की निगरानी ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी '

उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि डीजे के उपयोग एवं झंडों के आकार को लेकर सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का अखाड़ा

समितियां अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने सभी से अपील किया कि रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।

उन्होंने कहा कि सभी जुलूसों में दंडाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। अखाड़ा समितियों से प्रशासन को अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया। जुलूस मार्गों का पूर्व सत्यापन करते हुए निर्धारित मार्ग पर ही जुलूस निकालने का निर्देश दिया गया।

बैठक में विभिन्न विभागों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को जुलूस मार्गों पर सभी बिजली तारों की जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर परिषद् को पेयजल की समुचित व्यवस्था, साफ-सफाई बनाए रखने तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग को सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने एवं अलर्ट मोड में रहने को कहा गया। अग्निशमन विभाग को भी अपने वाहनों को एक्टिव मोड में रखने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई। आम नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना कंट्रोल रूम के माध्यम से जिला प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि 27 मार्च को तथा कुछ स्थानों पर 28 मार्च को भी जुलूस निकाले जाने की सूचना है। उन्होंने सभी लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से जुलूस निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार सभी लोग मिल-जुलकर पर्व मनाएं तथा जुलुस के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

रामनवमी को लेकर केंद्रीय अखाड़ा समिति की बैठक

शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से रामनवमी मनाने का निर्णय

चक्रधरपुरः केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति की बैठक मंगलवार को छगन बगान में अध्यक्ष राजू प्रसाद कसेरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के संरक्षक सह विधायक सुखराम उरांव एवं अशोक षाड़ंगी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न अखाड़ों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा उनके समाधान को लेकर सहमति बनी। समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि सभी अखाड़ों के 10-10 स्वयंसेवकों को केंद्रीय अखाड़ा समिति की ओर से बैच उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही समिति के आगामी कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया, जिसमें पवन चौक पर केंद्रीय मंच का निर्माण, व्यवस्था बनाए रखने के लिए लाउडस्पीकर की व्यवस्था तथा सभी लाइसेंसधारी अखाड़ा समितियों को सम्मानित करने का निर्णय शामिल है।

बैठक में यह भी तय किया गया कि केंद्रीय अखाड़ा समिति की अगली बैठक 26 मार्च को आयोजित की जाएगी, जिसमें तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि सभी अखाड़ा समितियों के सहयोग से ही रामनवमी का आयोजन सफल हो सकता है। उन्होंने सभी से त्योहार को भव्य एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील करते हुए अफवाहों से दूर रहने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया।बैठक में संजय पासवान, निक्कू सिंह, राजेश शुक्ला, समरेश सिंह, अनूप दुबे, परमेंद्र चौहान, कुमार विवेक, सोमनाथ रजक, गौतम रवानी, गोनू जयसवाल, प्रताप बर्मन, मुन्ना साव, संजय मिश्रा, डिक्की मंडल, टिंकू प्रधान, धीरज साव, प्रदीप तांती, राजेश गुप्ता, कबीर पांडेय, पवित्र देवरी, अमर सोनकर, राजेश रवानी, श्रवण ठाकुर, अभय साव, राहुल गुप्ता, गणेश लकड़ा, पवन ठाकुर, मुरारी प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित थे।